हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 03, अंकः-227, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.

लखनऊ, शुक्रवार 30 जनवरी 2026

बीएचयू में आई.सी.एबी. 2026 का भव्य उद्घाटन ...02

अधिवक्ता एसोसिएशन ने यूजीसी कानून के समर्थन में...06

40 प्रतिशत गिग वर्कर्स की कमाई 15 हजार से कम

सोना एक दिन में 10,705 बढ़कर 1.75 लाख पहुंचा

अडाणी पावर का मुनाफा 19 प्रतिशत घटा

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीमकोर्ट ने लगाई रोक

अगले आदेश तक 2012 वाले नियम लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी (उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने) विनियम, 2026 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट में इन विनियमों को सामान्य वर्गों के विरुद्ध भेदभावपूर्ण होने के आधार पर चुनौती दी गई है। ऐसे में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगी दी। अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं। कोर्ट के कहा कि नए यूजीसी नियमों का दुरुपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की।

इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया।

यूजीसी के नए नियमों पर 'सुप्रीम' रोक

- याचिकाओं पर केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी किया।
- कोर्ट ने कहा- हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए।
- अब नए आदेश तक 2012 के नियम ही लागू रहेंगे।
- मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को।

यूजीसी के नए नियमों से देशभर में आक्रोश

दरअसल, यूजीसी रेगुलेशन, 2026 को 23 जनवरी, 2026 को नोटिफाई किया गया था। जिसे लेकर पूरे देश में आक्रोश फैल गया। जिसके बाद इसे कई याचिकाकर्ताओं ने मनमाना, भेदभावपूर्ण और संविधान के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन एक्ट, 1956 का उल्लंघन बताते हुए चुनौती दी। यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन के खिलाफ याचिकाएं मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान ने दायर की हैं। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि ये नियम सामान्य वर्गों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देते हैं।

याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने बताई अपनी दलीलें

वहीं याचिकाकर्ता विनीत जिंदल ने कहा कि आज, सीजेआई ने हमारी दलीलों की सराहना की। हमें कहना होगा कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी जीत है। जैसा कि हम खास तौर पर तीन मुद्दों के बारे में बात कर रहे थे, एक है सेक्शन 3 सी जो जातिगत भेदभाव के बारे में बात करता है और उस खास सेक्शन में, सामान्य जाति को बाहर रखा गया है और बाकी सभी जातियों को शामिल किया गया है। तो, यह खास सेक्शन यह संदेश दे रहा है कि एससी, एसटी और ओबीसी के साथ सामान्य जाति द्वारा भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि यह सीजेआई के सामने हमारी दलील थी और उन्होंने हमारी दलील की सराहना की और खास तौर पर कहा कि हम जो कह रहे हैं वह सही है और अगर ऐसे सेक्शन हैं, तो यह निश्चित रूप से सामान्य जाति के लिए बहुत कठोर और भेदभावपूर्ण होगा और इसमें संशोधन किया जाना चाहिए। दूसरा हिस्सा इक्विटी कमेटी के संबंध में है जो इन नए यूजीसी सेक्शन के सेक्शन 18 के तहत बनाई गई है। इन खास नियमों में सामान्य समुदाय के लिए कोई खास प्रतिनिधित्व नहीं बताया गया है। सीजेआई ने भी हमारी इस दलील को माना और सुझाव दिया कि एक खास कमेटी बनाई जानी चाहिए, जिसमें शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हों, जिन्हें इस खास विषय का ज्ञान हो और अब यह मामला 19 मार्च के लिए सूचीबद्ध है और उम्मीद है कि कुछ अच्छा होगा।

अजित पवार के निधन से रिक्त हुए स्थान की जल्द भरपाई संभव नहीं: शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन से राज्य की राजनीति में ऐसा शून्य उत्पन्न हो गया है, जिसे जल्द भर पाना संभव नहीं होगा। शाह ने बारामती में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुखअजित पवार (66) के अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पवार को लोकप्रिय रूप से 'दादा' (बड़े भाई) के नाम से जाना जाता था। पवार और चार अन्य लोगों की बुधवार को एक चार्टर्ड विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। पवार का आज पूरे राजकीय सम्मान के साथ विद्या प्रतिष्ठान कॉलेज के मैदान में अंतिम संस्कार किया गया।

दोषसिद्धि दर अदालतों के कामकाज का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब नहीं: राम मेघवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि दोषसिद्धि दर अदालतों के कामकाज का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब नहीं होती और इसे आपराधिक न्याय प्रणाली के सभी घटकों को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से देखा जाना चाहिए। राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि दोषसिद्धि दर में पुलिस, फॉरेंसिक प्रयोगशालाओं और वकीलों आदि की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। त्वरित अदालतों (फास्ट ट्रैक अदालतों.... एफटीसी) में कथित रूप से घटती दोषसिद्धि दर से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि अदालतें कानून के अनुसार न्याय देने के लिए बाध्य होती हैं।

एसआईआर के खिलाफ सुनवाई, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी कर ली है। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि चुनाव आयोग (ईसीआई) को एसआईआर प्रक्रिया में सभी राज्यों में नियमों का सही ढंग से पालन करना चाहिए। तमिलनाडु में जिन लोगों का नाम स्पेलिंग एरर के चलते काटा गया है। उनकी लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, सब-डिवीजन के तालुका ऑफिस और शहरी इलाकों के वार्ड ऑफिस में लगाई जाए। उधर याचिकाकर्ता की तरफ से पेश एडवोकेट प्रशांत भूषण ने दलील दी कि नई वोटर लिस्ट बनाने की कोशिश में महिलाओं के नाम कट रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। गरीब और कमजोर लोगों पर बोझ डाला गया। वोटर को खुद फॉर्म भरने की जिम्मेदारी दी गई है। जो अनपढ़ हैं या प्रवासी हैं वो फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं। चुनाव आयोग मनमानी नहीं कर सकता है। चुनाव अधिकारी यह कैसे तय कर सकता है कि कोई नागरिक है या नहीं? वे कोई अदालत नहीं है। अगर विवाद हो तो जिरह का मौका मिलना चाहिए। इस पर चुनाव आयोग की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट राकेश द्विवेदी ने कहा- वोटर लिस्ट की जांच करना न्यायसंगत और सही है। कोर्ट को इस प्रक्रिया के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर देना चाहिए।

यूपी कैबिनेट का फैसला: 11.92 लाख शिक्षकों को सौगात

राज्य कर्मचारियों की तरह मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के शिक्षकों को योगी सरकार ने बड़ी सौगात दी है। अब शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की तरह ही कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दो दी गई है। इस फैसले से 11.92 लाख से ज्यादा शिक्षकों को सीधा लाभ मिलेगा। इस फैसले को आयुष्मान व्यवस्था के माध्यम से लागू किया जाएगा। इस फैसले से शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व रसोइया सभी लाभांवित होंगे। इस फैसले के क्रियान्वयन में 358.61 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग को भी कैशलेस सुविधा की मंजूरी दे दी गई है। इससे दो लाख 97 हजार 579 कर्मचारी लाभांवित होंगे। वहीं, सरकार 89.25 करोड़ रुपये का व्यय भार पड़ेगा। हालांकि, जो कर्मचारी पहले से ही किसी सरकारी योजना जैसे आयुष्मान से आच्छादित हैं उन्हें इसका लाभ नहीं दिया जाएगा। बता दें कि कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते साल के पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए कैशलेश चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा की थी। विभाग की ओर से इस योजना को आयुष्मान योजना की तरह लागू करने की तैयारी है। यह सुविधा पूरी तरह कैशलेश है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 32 में से 30 प्रस्ताव पास हो गए। सिर्फ 14वां और 17वां प्रस्ताव ही रोका गया। बैठक में शहरी पुनर्विकास नीति 2026 को मंजूरी दे दी गई। नक्शा पास करने की प्रक्रिया सरल की जाएगी जिससे कि लोग नक्शा जरूर पास करें। विकास शुल्क के संशोधित प्राइस लागू किए जाएंगे। बरेली में विज्ञान पार्क और नक्षत्रशाला की स्थापना होगी। मुरादाबाद में भी नक्षत्रशाला और विज्ञान पार्क की स्थापना होगी।

आपदा प्रभावित परिवारों का होगा पुनर्वास

बैठक में आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर मंजूरी दी गई। पीड़ितों को सरकारी आवास और भूमि का पट्टा दिया जाएगा। बहराइच में राजस्व ग्राम परतापुर पर सहित अन्य ग्रामों में आपदा प्रभावित परिवारों को पुनर्वास के लिए भूमि की व्यवस्था करने के निर्देश सीएम में दिए थे। 29 लोग नदी पार कर रहे थे जिनमें 9 लोगों की मृत्यु हो गई थी। आपदा प्रभावित गांव का हवाई संरक्षण किया गया और परतापुर के गांव के लोगों को पुनर्वासित किया गया। 136 परिवारों को जमीन का पट्टा दिया जाएगा और उनके आवास का भी पट्टा होगा और मुख्यमंत्री आवास के तहत आवास दिया जाएगा जितनी खेती की जरूरत होगी वैसे ही उनका खेती के लिए भी पट्टा दिया जाएगा।

व्यवधान नहीं बल्कि समाधान के साथ आगे बढ़ने का समय: पीएम मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी सांसदों से संसद का कार्य सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग का आग्रह करते हुए कहा है कि आज समय व्यवधान का नहीं बल्कि समाधान का है और देश के विकास में लाभकारी परिणाम देने के लिए सभी को इस समय का उपयोग करना चाहिये। श्री मोदी ने संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले यहां संसद भवन परिसर में गुरूवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि यह समय कार्यों में बाधा डालने का नहीं बल्कि समस्याओं के समाधान का है। उन्होंने कहा इस समय हमारी प्राथमिकता व्यवधान नहीं बल्कि समाधान है। यह हिम्मत ,समाधान और निर्णय का समय है इसलिए सभी सांसदों को राष्ट्र के लिये आवश्यक समाधानों को गति देने की दिशा में अपनी शक्ति का इस्तेमाल करना होगा ताकि उनके निर्णयों के लाभकारी परिणाम देश को प्राप्त हो सकें। श्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कल संसद के संयुक्त सत्र में दिये गये अभिभाषण का जिक्र करते हुए कहा राष्ट्रपति का अभिभाषण देश के 140 करोड़ लोगों की अभिव्यक्ति, उसका लेखा जोखा और खासकर युवाओं की अभिव्यक्ति को रेखांकित करने वाला था। यह बहुत ही सटीक अभिभाषण था और इसमें कई मार्गदर्शक बातें राष्ट्रपति जी ने कल सदन के सामने रखी। सत्र के आरंभ में और 2026 की शुरुआत में राष्ट्रपति ने सभी सांसदों से जो अपील की वह एक राष्ट्र की मुखिया के रूप में उनकी भावना की अभिव्यक्ति थी और मुझे विश्वास है कि सभी माननीय सदस्यों ने इसे गंभीरता से लिया होगा। यह महत्वपूर्ण सत्र है और देश के विकास के महत्वपूर्ण अगले 25 वर्ष का दौर शुरू हो चुका है।

अजित पवार का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार संपन्न

बारामती, एजेंसी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार का गुरुवार को यहां विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। हजारों लोगों की उपस्थिति के बीच अजित पवार के बेटों पार्थ पवार और जय पवार ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी कीं। इस दौरान उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार, चाचा शरद पवार और बहन सुप्रिया सुले तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर सहित कई प्रमुख नेताओं ने अंतिम संस्कार में शिरकत की और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस शोकपूर्ण अवसर पर महाराष्ट्र भर से बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता बारामती पहुंचे थे। अंतिम रस्मों के दौरान शमशान में अजित दादा अमर रहे और अजित दादा परत या (अजित दादा वापस आओ) जैसे भावुक नारे गूंजते रहे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकंपा) के अध्यक्ष अजित पवार का बुधवार सुबह उस समय निधन हो गया था, जब उन्हें और चार अन्य लोगों को ले जा रहा विमान हादसे का शिकार हो गया था। विमान में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस दुखद घटना के बाद, महाराष्ट्र सरकार ने राज्य भर में तीन दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। अजित पवार महाराष्ट्र के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले उप मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने विभिन्न सरकारों के तहत छह बार इस पद को संभाला था।

भारत और ईयू मुक्त व्यापार समझौता वैश्विक व्यापार और मसाला निर्यात को बढ़ावा देगा

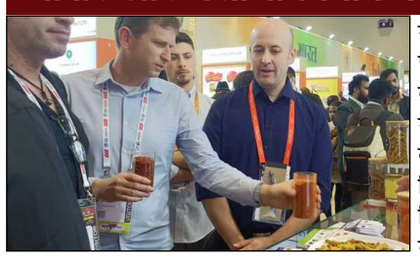

कोच्चि, एजेंसी। भारतीय मसाला बोर्ड की अध्यक्ष संगीता विश्वनाथन ने कहा है कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और यह अंतरराष्ट्रीय परिवेश में भारत की बढ़ती आर्थिक क्षमता एवं सक्रिय कूटनीति को दर्शाता है। सुश्री विश्वनाथन ने कहा कि यह समझौता रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समय पर हुआ है, जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को फिर से परिभाषित किया जा रहा है और विश्वसनीय व्यापारिक साझेदारियों का महत्व फिर से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह संधि एक भरोसेमंद, प्रतिस्पर्धी और दूरदर्शी व्यापारिक भागीदार के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करती है और विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय निर्यात के लिए नई संभावनाएं खोलती है। इस समझौते का भारतीय मसाला बोर्ड के नजरिए से विशेष महत्व है, क्योंकि यूरोपीय संघ भारतीय मसालों के लिए उच्च मूल्य वाले गंतव्यों में से एक बना हुआ है। एफटीए के तहत बाजार तक बेहतर पहुंच, गहरे सहयोग और अधिक व्यापार से मसाला निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे निर्यातकों को बेहतर मूल्य मिलने में मदद मिलेगी और गुणवत्तापूर्ण, टिकाऊ एवं व्यापार में भारत का नेतृत्व और मजबूत होगा। सुश्री विश्वनाथन ने कहा कि यह समझौता भारत के प्रति वैश्विक धारणा में आए स्पष्ट बदलाव का भी संकेत देता है।

आर्थिक सर्वे के 800 पन्नों का निचोड़, घरेलू मोर्चे पर मजबूती, लेकिन बाहरी चुनौतियों का डर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार संसद में आर्थिक समीक्षा 2025-26 पेश की। बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले पेश किया गया यह दस्तावेज भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा का आधिकारिक रिपोर्ट कार्ड है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार किए गए इस सर्वे का लब्बोलुआब यह है कि भारत की विकास गाथा (ग्रोथ स्टोरी) मजबूत बनी हुई है, लेकिन वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच हमें सतर्क रहने की जरूरत है। स्थिर और मजबूत सर्वे में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत से 7.2 प्रतिशत के बीच रहेगी। हालांकि, यह चालू वित्त वर्ष (2025-26) के अनुमानित 7.4 प्रतिशत से थोड़ी कम है, लेकिन वैश्विक मंदी के माहौल में यह आंकड़ा भारत की स्थिरता को दर्शाता है। आम आदमी के लिए राहत की बात यह है कि महंगाई नियंत्रित है। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान घरेलू मुद्रास्फीति औसतन 1.7 प्रतिशत रही है। कोर इन्फ्लेशन में कमी यह संकेत देती है कि सप्लाई-साइड की स्थिति में सुधार हुआ है। सर्वे ने एक महत्वपूर्ण विरोधाभास की ओर इशारा किया है। जहां भारत के घरेलू फंडामेंटल मजबूत हैं, वहीं बाहरी मोर्चे पर जोखिम बरकरार हैं। विशेष रूप से पूंजी प्रवाह और करेंसी पर दबाव चिंता का विषय है। विदेशी पूंजी के सूखे के कारण 2025 में रुपये का प्रदर्शन कमजोर रहा है।

10 प्वाइंट में समझें आर्थिक सर्वे में क्या?

सरकार ने अपनी वित्तीय स्थिति को सुधारा है। वित्त वर्ष 2025 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.8 प्रतिशत रहा, जो बजट अनुमानों से बेहतर है। वित्त वर्ष 2026 के लिए इसे 4.4 प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें कहा गया है कि ऐसे खर्च पूंजीगत व्यय को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे अंततः सॉवरेन उधारी की लागत बढ़ सकती है।

आगरा में ताबड़तोड़ एनकाउंटर

पुलिस मुठभेड़ में मारा गया राज चौहान हत्याकांड का आरोपी,2 पुलिसकर्मी घायल

आगरा, संवाददाता। पुलिस के एक अधिकारी की पिस्तौल छीनकर पुलिस दल पर गोली चलाने का आरोपी बृहस्पतिवार तड़के आगरा में एक पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना 23 जनवरी की रात आगरा के ट्रांस यमुना पुलिस स्टेशन क्षेत्र में राज चौहान नामक युवक की गोली मारकर की गई हत्या से जुड़ी है। पुलिस के एक बयान के अनुसार, हत्या के संबंध में मामला दर्ज किया गया था और मामले की जल्द जांच के लिए पुलिस उपायुक्त (नगर) सैय्यद अली अब्बास की देखरेख में नौ पुलिस दल बनाए गए थे। जांच के दौरान मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जिसकी पहचान आगरा जिले के खंदौली निवासी अरबाज खान उर्फ मंसूरी के रूप में हुई। बयान में कहा गया है कि गिरफ्तारी के बाद, आरोपी को अपराध में इस्तेमाल देसी पिस्तौल बरामद करने के लिए ले जाया जा रहा था, तभी बृहस्पतिवार तड़के उसने कथित तौर पर एक पुलिस उप-निरीक्षक (एसआई) की सरकारी पिस्तौल छीन ली और पुलिस पार्टी पर गोली चलाते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी में कांस्टेबल मनोज कुमार और एसआई ऋषि घायल हो गए।

विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी

तीनों सेनाओं ने राष्ट्रपति मुर्मू को नेशनल सैल्यूट दिया, उपराष्ट्रपति और पीएम भी मौजूद रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के विजय चौक पर गुरुवार शाम को बीटिंग द रिट्रीट सेरेमनी हुई। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस के 4 दिन तक चले कार्यक्रमों का समापन हुआ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सेरेमनी में मौजूद रहीं। समारोह की शुरुआत में सेना ने राष्ट्रपति को नेशनल सैल्यूट दिया। इसके बाद तिरंगा फहराया गया और राष्ट्रगान की धुन बजाई गई। तीनों सेनाओं के बैंड ने सेरेमनी की शुरुआत धुन कदम-कदम बढ़ाए जा बजाकर की। समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुख सहित अन्य केंद्रीय मंत्री और आम नागरिक मौजूद रहे। विजय चौक की सभी प्रमुख इमारतों को रंग-बिरंगी लाइटिंग से सजाया गया है। इस साल बीटिंग रिट्रीट की एक विशेषता यह है कि विजय चौक के सीटिंग एनक्लोजर को भारतीय वाद्य यंत्रों के नाम दिए गए हैं। इनमें बांसुरी, डमरू, एकतारा, तबला, वीणा, सितार, शहनाई, संतूर, सरोद, पखावज, नगाड़ा और मृदंगम जैसे वाद्य शामिल हैं। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के प्रतीक स्वरूप ये पहल की जा रही है। एक दिन पहले गणतंत्र दिवस परेड 2026 के लिए बेस्ट मार्चिंग टुकड़ी और बेस्ट झांकी के नतीजों की घोषणा की गई।

विपक्ष को साथ लेने पर नहीं, सिर्फ संदेश देने पर विश्वास करते हैं मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने संसद की कार्यवाही शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आज दिये संदेश पर कहा कि वह विपक्ष को किसी भी मुद्दे पर साथ लेने की पहल करने की बजाय सिर्फ बयानबाजी पर विश्वास करते हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर आरोप लगाया कि श्री मोदी सर्वदलीय बैठक नहीं बुलाते हैं और अगर बुलाते भी हैं तो खुद उसमें शिरकत नहीं करते। यहां तक कि संसद में विधेयक जरूरी प्रक्रिया अपनाए बिना पारित करवा देते हैं और विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देते

यूजीसी के नई नियमावली पूरी तरीके से सनातन विरोधी है

अविमुक्तेश्वरानंद ने केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप

वाराणसी, संवाददाता। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नई नियमावली ने पूरे देश में नया विवाद खड़ा कर दिया है। प्रयागराज से काशी लौटे ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गुरुवार को यूजीसी के इस मुद्दे पर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार सनातन धर्म को बांटना चाहती है तथा एक जाति को दूसरी जाति से लड़वाना चाहती है। नई नियमावली पूरी तरह सनातन विरोधी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार में न्याय की कोई आशा नहीं दिखती और देश को यही संदेश जा रहा है। पूरे देश ने देखा कि किस तरह बटुकों की चोटी पकड़कर उनका अपमान किया गया। सरकार और प्रशासन का चेहरा सबके सामने आ गया है। न तो उन्होंने अपनी गलती स्वीकार की।

बीएचयू में आई.सी.एबी. 2026 का भव्य उद्घाटन

⇨ विषयों की सीमाओं से आगे बढ़कर कार्य करना होगा- कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग द्वारा कोलकाता की जूलॉजिकल सोसाइटी के सहयोग से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ऑन एनिमल बायोलॉजी- चैलेंजेस एंड ऑपर्चुनिटीज (आईसीएबी-2026) का उद्घाटन समारोह आज प्रो. एस.एस. जोशी हॉल, केमिस्ट्री विभाग में संपन्न हुआ। इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (29-31 जनवरी 2026) में देश-विदेश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शोधकर्ता और छात्र शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी, कुलपति, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ने की। सम्मेलन संयोजक प्रोफेसर स्वाति मित्तल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि सम्मेलन में भारत के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिभागी आए हैं। उन्होंने सभी अतिथियों, वक्ताओं और शोधकर्ताओं का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि यह विविधता ही हमारे सम्मेलन को और समृद्ध बना रही है। जूलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया, कोलकाता के प्रोफेसर सुमित होमचौधरी, ने अपने संबोधन में वैज्ञानिकों के बीच इनरैक्शन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह अंतर्क्रिया ही विज्ञान को नई दिशा प्रदान करती है और नए विचारों एवं सहयोग की नींव रखती है। जन्तु विज्ञान विभाग के कार्यवाहक प्रमुख प्रोफेसर ए.के. सिंह ने जंतु विज्ञान विभाग की समृद्ध विरासत, वर्तमान शोध गतिविधियों, अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और प्रमुख उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शोध क्षेत्रों जैसे एक्वेटिक बायोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी आदि का उल्लेख किया। डीन, इंस्टिट्यूट ऑफ साइंसप्रोफेसर राजेश कुमार श्रीवास्तव, ने सभी प्रतिभागियों का बनारस शहर में स्वागत किया। उन्होंने इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस की प्रमुख उपलब्धियों, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सहयोग, उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों और अकादमिक उत्कृष्टता को विस्तार से बताया। कुलपति, बीएचयू प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी, ने अपने सम्बोधन में कहा की आज के समय में हमें किसी भी विषय की सीमाओं से परे जाकर सोचना और कार्य करना होगा। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि यह अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ठीक इसी दिशा में काम कर रहा है। हमारे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में भी इसी प्रकार का अंतर्विषयक दृष्टिकोण अपनाया जा रहा है। मैं सभी बाहर से आए हुए शोधकर्ताओं से अनुरोध करता हूँ कि वे बीएचयू के विभिन्न विभागों का भ्रमण करें, प्रयोगशालाओं को देखें और भविष्य में संभावित सहयोग विकसित करें। समारोह के समापन पर डॉ. गीता जीवतराम ने सभी प्रमुख अतिथियों, वक्ताओं, आयोजन समिति के सदस्यों तथा प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उद्घाटन समारोह के तुरंत बाद सम्मेलन का औपचारिक तकनीकी सत्र शुरू हो गया, जिसमें कीनोट एड्रेस, प्लेनरी लेक्चर्स, मेमोरियल लेक्चर्स, आमंत्रित व्याख्यान, पोस्टर प्रस्तुतियाँ और छात्र प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। सम्मेलन में एक्वेटिक बायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, सेल बायोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, इकोफिजियोलॉजी, मॉलिक्यूलर टैक्सोनॉमी, वाइल्डलाइफ बायोलॉजी आदि क्षेत्रों पर चर्चा हुई।

शाही ईदगाह के इमाम सैय्यद आफ़ताब रसूल हाशमी के निधन की खबर आते ही इलाके में रंज व ग़म का माहौल

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। गैरौडा खानकाह से ताल्लुक रखने वाले गैरौडा ईदगाह के शाही इमाम सैय्यद आफ़ताब रसूल हाशमी के इंतिक़ाल की खबर आते ही इलाके में रंज व ग़म का माहौल है। उनकी उम्र लगभग 60 वर्ष थी। उनका निधन लखनऊ स्थित पीजीआई (संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़) में इलाज के दौरान हुआ। सैय्यद आफ़ताब रसूल हाशमी साहब लंबे समय से शाही ईदगाह में इमामत के फ़र्ज़ अदा कर रहे थे। वे अपने गहरे धार्मिक ज्ञान,सादगीपूर्ण जीवन और समाज के प्रति समर्पण के लिए व्यापक रूप से मशहूर थे। उनकी तक़रीरों और ख़ुत्बों में हमेशा अमन,भाईचारा,आपसी सौहार्द और इंसानी मूल्यों का पैग़ाम झलकता था। वे न सिर्फ़ एक धार्मिक पेशवा थे,बल्कि समाज को सही दिशा देने वाले एक सच्चे रहनुमा भी थे। युवाओं की तालीम, नैतिकता और सामाजिक एकता के लिए उनका योगदान हमेशा याद किया जाएगा। उनके इंतिक़ाल की खबर मिलते ही शाही ईदगाह सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में अकीदतमंद, सामाजिक और धार्मिक हस्तियां उनके आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। सभी ने इसे समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति बताया। परिवार के सदस्य ने बताया कि उनकी मिट्टी दिनांक 30 जनवरी बाद नमाज़-ए-जुमा 2 बजे उनके आबाई कब्रिस्तान गैरौडा में होगी।

यूजीसी एक्ट के विरोध में लविवि के द्वितीय परिसर में हुआ प्रदर्शन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वितीय परिसर में यूजीसी एक्ट के विरोध में छात्रों ने प्रदर्शन किया और मार्च भी निकाला। प्रदर्शन में सभी वर्गों के लगभग डेढ़ सौ छात्रों ने यूजीसी के नए विभाजनकारी नियमों का विरोध किया। छात्रों का कहना था कि ये नए नियम छात्रों के बीच भेदभाव को और बढ़ाएगा तथा छात्रों के बीच गहरी खाई पैदा करेगा। छात्रों ने प्रशासन को ज्ञापन देकर इस नियम को पूर्ण रूप से वापस लेने की मांग उठाई। छात्रों का कहना था कि यदि ये नियम वापस नहीं हुआ तो छात्र बड़ी मात्रा में सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करेंगे। छात्रों का ये भी कहना था कि यदि यह नियम वापस नहीं हुआ तो छात्र अपने मत के अधिकार द्वारा भी इसका विरोध करेंगे। छात्रों का कहना था कि हमारा विरोध एससी एसटी या ओबीस समाज से नहीं है। हम बस इतना कह रहे हैं कि जाति के आधार पर भेदभाव सामान्य वर्ग के बच्चों के साथ भी होता है, इसलिए उन्हें भी शिकायत करने का अवसर दिया जाए। इसी के साथ ही झूठी शिकायतों पर दंड भी दिया जाए। इसी क्रम में केकेसी में भी छात्रों ने परिसर में घूमघूम कर यूजीसी एक्ट का विरोध किया। छात्रों ने काली पट्टी बांधकर महाविद्यालय में जोर-जोर से यूजीसी वापस जाओ यूपी सरकार वापस के नारे लगाते हुए पूरे महाविद्यालय को उन्होंने बंद करने का प्रयास किया शिक्षकों के हस्तक्षेप के कारण बाद में छात्र शांत हुए लेकिन वह अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय वार्ड में कंबल वितरण 200 ज़रूरतमंदों को मिली राहत

➢ वार्ड में जारी रहेंगे जनहित के कार्य उवैस उस्मानी मुन्ना

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मवई

मवई अयोध्या। ठंड से जूझ रहे ज़रूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद रुदौली के पंडित दीन दयाल उपाध्याय वार्ड में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में वार्ड सभासद उवैस उस्मानी मुन्ना द्वारा लगभग 200 ज़रूरतमंद असहाय और गरीब परिवारों को कंबल वितरित किए गए जिससे लोगों के चेहरों पर राहत और संतोष साफ़ दिखाई दिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष जब्बार अली रहे इस अवसर पर उन्होंने सभासद उवैस उस्मानी मुन्ना की सराहना करते हुए कहा कि सभासद द्वारा वार्ड की जनता की समस्याओं को गंभीरता से समझते हुए ज़मीनी स्तर पर किया गया कार्य काबिले-तारीफ़ है। ठंड के इस मौसम में ज़रूरतमंदों तक कंबल पहुंचना सच्ची जनसेवा है चेयरमैन जब्बार अली ने सभासद के प्रयासों को प्रेरणास्रोत बताया चेयरमैन जब्बार अली ने सभासद की कार्यशैली की खुले मंच से तारीफ़ करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यों को समर्थन देने की बात कही सभासद उवैस उस्मानी मुन्ना ने कहा कि वार्ड की जनता ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरना मेरी ज़िम्मेदारी है। आगे भी वार्ड में जनहित के कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में कोई भी ज़रूरतमंद बिना सहायता के न रहे, यही इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कंबल पाकर बुजुर्गों, महिलाओं और ग़रीब परिवारों ने नगर पालिका अध्यक्ष एवं सभासद का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान सभासद आशीष कुलदीप पंकज शर्मा पूर्व सभासद मोहम्मद शमीम हाफिज कवि शोएब मोहम्मद अहमद बोस वैस अहमद मो. जैद रिजवान मास्टर सोनू खा ताबिश अंसारी सहित वार्डवासी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

श्रमिक की हत्या का खुलासा किए जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव

➲ दो घंटे तक धरने पर बैठे ग्रामीणों ने मामले का जल्द खुलासा करने की किया मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

हलिया/मिर्जापुर। ड्रमंडगंज क्षेत्र के देवहट गांव निवासी श्रमिक की हत्या का खुलासा नही होने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुए गुरुवार का थाने का घेराव किया। आक्रोशित ग्रामीण दो घंटे तक धरने पर बैठे रहे और मामले का खुलासा किए जाने की मांग करने लगे। ग्रामीणों का कहना था कि शव मिले दो दिन हो गया लेकिन अभी तक पुलिस मामले का खुलासा नही कर सकी। ग्रामीणों ने सुरक्षा को लेकर पुलिस पर सवाल खड़े किए।मृत श्रमिक छोटकऊ के पुत्र पिंटू उर्फ रविन्द्र कुमार की तहरीर पर पुलिस अज्ञात के विरुद्ध हत्या मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।थानाध्यक्ष के समझाने बुझाने के बाद ग्रामीणों ने दो घंटे बाद धरना समाप्त किया।थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों

को आश्वासन दिया कि किसी भी सूरत में दोषियों को बख्शा नही जाएगा जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।देवहट गांव निवासी 56 वर्षीय लापता श्रमिक छोटकऊ कोल का बीते 27 जनवरी को पांच दिन बाद सजहवा बाउली जंगल में शव दफनाया मिला था।छोटकऊ कोल बीते 22 जनवरी की रात घर से खेत पर फसलों की रखवाली करने गए थे उसके बाद घर वापस नही लौटे और पांच दिन बाद उनका शव घर से तीन किलोमीटर दूर सजहवा बाउली जंगल के गड्ढे में दफन मिला। मौके पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने घटना की जांच कर शव को गड्ढे से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बुधवार रात श्रमिक का शव घर पहुंचा जहां ड्रमंडगंज पुलिस के अलावा हलिया और लालगंज पुलिस की मौजूदगी में देर रात दाह संस्कार किया गया।थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में श्रमिक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। मृतक के पुत्र की तहरीर पर अज्ञात के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

धूप को बेअसर कर रही पछुआ हवा,बारिश के बाद ठंड बढ़ी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बुधवार की बारिश के बाद गुरुवार सुबह बादल छाए रहे। इससे ठंड बढ़ गई। 9 बजे तक में धूप निकल आई, लेकिन तेज पछुआ हवा भी चलने लगी। 20 किमी प्रति घंटे से भी तेज चली हवा से धूप बेअसर रही। सर्द हवा से ठंड का अहसास दोपहर में भी बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 दिन तक मौसम इसी तरह अस्थिर बना रहेगा। आज से मौसम में हल्का सुधार आता जाएगा। अनुमान है कि 2 फ़रवरी से मौसम एकदम साफहो जाएगा। इस हवा के कारण वातावरण में नमी कम हो रही है और ठंड का असर तेज हो गया है। आज सुबह लखनऊ के बाहरी और गोमती किनारे वाले इलाकों में हल्का कोहरा भी देखने को मिला। आज अधिकतम तापमान 21 डिग्री और न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

योगी कैबिनेट ने दी स्व. अजित पवार को श्रद्धांजलि

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया। मंत्रिपरिषद ने विगत 28 जनवरी को बारामती, महाराष्ट्र में हुई विमान दुर्घटना में अजित पवार व अन्य लोगों के निधन को अत्यंत दु:खद बताया। कैबिनेट ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत पुण्यात्माओं की शांति की कामना की।कैबिनेट ने कहा कि अजित पवार का असामयिक निधन अपूरणीय क्षति है। स्वर्गीय अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंत्रिपरिषद ने कहा कि अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में उन्होंने महाराष्ट्र की जनता से गहरा जुड़ाव रखते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए कार्य किया। गरीबों एवं वंचितों को सशक्त बनाने तथा महाराष्ट्र के विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता सदैव स्मरणीय रहेगी।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की कृपा हमेशा इसी संस्थान पर रही है-निर्यापक मुनि श्री समतासागर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता वाराणसी

वाराणसी। निर्यापक मुनि श्री समतासागर महाराज, मुनि पवित्रसागर महाराज मुनि पूज्य सागर महाराज मुनि अतुलसागर महाराज स संघ तथा ज्येष्ठ आर्यिका रत्न गुरुमति माताजी, एवं आर्यिकारत्न दृणमतिमाताजी ने स संघ नरिया दि. जैन मंदिर एवं श्री गणेश प्रसाद बर्णी संस्थान में पधारे एवं संपूर्ण क्षेत्र का निरीक्षण किया तथा संस्थान के कक्ष को देखा एवं सभी ट्रस्टीओं तथा पदाधिकारियों को आशीर्वाद प्रदान किया इस अवसर पर मुनि श्री ने कहा कि आज प्रातःकाल भेलूपुर मंदिर से नरिया मंदिर जाते समय खुजवां जिनालय की बंदना की यंहा पर भगवान श्री अजितनाथ मूलनायक के रुप में विराजमान है आकर के बहूत अच्छा लगा बहूत ही मनोज्ञ प्रतिमा है ऐसे जिन विम्वों के दर्शन करने से विशुद्धता आती है,वह सम्यकदर्शन का कारण बनता है उन्होंने कहा कि जिन वंधुओं ने इस मंदिर को तैयार किया है वह सभी आशीर्वाद के पात्र है। इसके पश्चात मुनिसंघ एवं आर्यिका संघ नरियां दिगम्वर जैन मंदिर पहुंचे इस अवसर पर मुनि समतासागर महाराज ने कहा कि वनारस से हमारे गुरुदेव आचार्य विद्यासागर महाराज के गुरु आचार्य ज्ञान सागर महाराज का गहरा सम्वंध रहा है,उन्होंने अपने ग्रहस्थ जीवन का भाग इसी बनारस नगरी में गुजारा है उनकी अध्यन में बहूत रुची थी वह बहूत स्वाभीमानी व्यक्तित्व के धनी थे समाज ने उनको सहायता प्रदान करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया वल्कि यंहा पर गमछा बेचकर अपना गुजारा किया मुनि श्री ने कहा कि नरिया मंदिर आकर के मुख्य मंदिर एवं 24 जिनालय एवं समवसरण मंदिर के दर्शन किये बहूत अच्छा लगा, मुनि श्री पवित्रसागर जी एवं मुनि पूज्य सागर मुनि अतुलसागर स संघ तथा ज्येष्ठ आर्यिका रत्न गुरुमति माताजी, एवं दृणमतिमाताजी स संघ संस्थान में पधारी उन्होंने संस्थान के कक्ष को देखा एवं सभी ट्रस्टीओं तथा पदाधिकारियों को आशीर्वाद प्रदान किया तथा यंही से आहार चर्या संपन्न हुई,यंहा पर संस्थान के प्रोफेसर अशोक कुमार जैन ने बताया इस संस्थान को पंडित फूलचंद सिद्धांत शास्त्री ने स्थापित किया यंहा पर बड़े बड़े मौलिक ग्रंथों का तथा सिद्धांत ग्रंथों तथा व्याख्यान माला का आयोजन निरंतर चलता रहता है इस अवसर पर मुनि समतासागर महाराज ने कहा कि वनारस से हमारे गुरुदेव आचार्य विद्यासागर महाराज के गुरु आचार्य ज्ञान सागर महाराज का गहरा सम्वंध रहा है उन्होंने अपने ग्रहस्थ जीवन का भाग इसी बनारस नगरी में गुजारा है उनकी अध्यन में बहूत रुची थी वह बहूत स्वाभीमानी व्यक्तित्व के धनी थे समाज ने उनको सहायता प्रदान करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने उसे स्वीकार नहीं किया वल्कि यंहा पर गमछा बेचकर अपना गुजारा किया मुनि श्री ने कहा कि नरिया मंदिर आकर के मुख्य मंदिर एवं 24 जिनालय एवं समवसरण मंदिर के दर्शन किये बहूत अच्छा लगा, प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनि संघ तथा आर्यिका संघ ने संस्थान के कक्ष को देखा एवं सभी ट्रस्टीओं तथा पदाधिकारियों को आशीर्वाद प्रदान किया दोपहर में सामायिक उपरांत म्यूजियम तथा वी एच यू का अब लोकन किया।

यूजीसी एक्ट के विरोध में एबीकेएम और आदर्श ब्राह्मण मंच ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता मिर्जापुर

चुनार/ मिर्जापुर । आदर्श ब्राह्मण मंच एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकर्ताओं ने यूजीसी एक्ट के विरोध में एसडीएम राजेश कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा।अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के नगर

अध्यक्ष जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव एवं प्रदेश कार्यकारी महामंत्री राकेश श्रीवास्तव द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में यूजीसी द्वारा लागू प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजूकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशन एक्ट 2026 को समाप्त/संशोधित किये जाने की मांग किया गया है। कहा गया है कि इस एक्ट की प्रकृति गैर आरक्षित वर्ग के छात्रों के विरुद्ध भेदभाव पूर्ण है इसके लागू होने से सवर्ण समाज के छात्र छात्राओं को बगैर किसी पर्याप्त कारण पीड़ित होने से नहीं रोका जा सकेगा। वहीं आदर्श ब्राह्मण मंच के तहसील अध्यक्ष शशिकांत मिश्र एड. ब्रह्मानंद शुक्ल के नेतृत्व में सौंपे गये ज्ञापन में यूजीसी द्वारा 13 जनवरी 2026 को जारी अधिसूचना में उच्च शिक्षा के संस्थानों में धर्म नस्ल,जाति, जन्म स्थल पर दिव्यांग जनों के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन के प्रति प्रतिबद्धता और भेदभाव को रोकने के लिए जो नियम बनाये गए हैं उनसे शैक्षणिक जगत और विशेषकर सवर्ण छात्रों के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है जिससे हम सवर्ण समाज के अभिभावकों में गहरी चिंता एवं असंतोष व्याप्त है। इसकी समीक्षा हेतु एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति गठित किये जाने जिसमें शिक्षकों एवं छात्र प्रतिनिधियों को शामिल किये जाने किये की मांग शामिल है। इस दौरान प्रदीप शुक्ला, मुन्ना चौबे,सुनील कुमार मिश्रा,लक्ष्मी शंकर पांडेय,सौरभ श्रीवास्तव, बसंत लाल श्रीवास्तव,धर्मेंद्र श्रीवास्तव,राजेश मिश्रा,रमाशंकर पांडेय,अभय सिंह,अनिल मिश्रा,बगलेश चंद्र पांडेय,अजय शेखर पांडेय,सुरेंद्र मिश्र अंकुर,अखिलेश पांडेय, सौरभ पुजारी,कवींद्र प्रसाद सिंह,अजय पांडेय,उत्कर्ष मिश्रा,रामजी मिश्रा,प्रभात मिश्रा,डॉ विजय कुमार मिश्रा,सुनील कुमार तिवारी,राजेश्वर सिंह,जनार्दन त्रिपाठी,देवदत्त त्रिपाठी,डबलू मिश्रा,शिवाकांत पाठक,शैलेंद्र कुमार दूबे,आशुतोष त्रिपाठी,संजीव कुमार ओझा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अयोध्या जिला जेल से भागे रेप-हत्या के आरोपी दो बंदी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई। रेप और हत्या जैसे गंभीर मामलों में बंद दो कैदी जेल से फ़रार हो गए। दोनों बंदियों ने बैरक में लगी ग्रिल काटी और बांस के सहारे चारदीवारी पार कर ली, वहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी नहीं थी। घटना की जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और पुलिस ने तत्काल तीन टीमें गठित कर तलाश अभियान शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों कैदी बैरक से बाहर निकलने के बाद जेल के पिछले हिस्से की ओर पहुंचे, जहां हरियाली अधिक होने के कारण निगरानी कमजोर थी। उन्होंने बांस और अन्य सामान का इस्तेमाल कर चारदीवारी फांदी और फ़रार हो गए। फ़रार बंदियों में अमेठी जिले के मुसाफ़िरखाना निवासी गोलू अग्रहरि उर्फ सूरज अग्रहरि और सुल्तानपुर निवासी शेर अली शामिल हैं। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी के मुताबिक पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि दोनों बंदी जेल के पिछले हिस्से से बांस के ऊंचे पेड़ों का सहारा लेकर दीवार पार कर गए। गिरफ्तारी के लिए तीन पुलिस टीमें लगाई गई हैं। एक बंदी हत्या के प्रयास के मामले में जबकि दूसरा बलात्कार के आरोप में जेल में निरुद्ध था।दो बंदियों के फ़रार होने के मामले में जेल प्रशासन पर बड़ी कार्रवाई की गई है।

गृह मंत्रालय के सम्मान से नवाजे गए थाना प्रभारी जय भगवान

☐ प्रदेश से लेकर केंद्र तक मिल चुका है सम्मान का तोहफा

तीसरा विकल्प न्यूज़ मोहम्मद अरशद

बिजनौर। थाना हीमपुर दीपा प्रभारी निरीक्षक जय भगवान को गृह मंत्रालय भारत सरकार से अति उत्कृष्ट सेवा मेडल से नवाजा गया है। पुलिस विभाग में सराहनीय सेवाओं के लिए जय भगवान को मिले सम्मान मेडल ने पुलिस विभाग का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। पुलिस लाइन बिजनौर में गणतंत्र दिवस परेड के भव्य समारोह के दौरान भाजपा के जिला प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने हीमपुर दीपा थाने में तैनात प्रभारी निरीक्षक जय भगवान को गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अति उत्कृष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया। प्रभारी निरीक्षक को अति उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानि किए जाने पर पुलिस विभाग में खुशी है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक जय भगवान ने बताया कि इससे पूर्व उन्हें 2003 में बेदाग सेवा कार्य करते हुए सराहनीय सेवा पदक, 2012 में उत्कृष्ट सेवा पदक तथा 2022 में पुलिस महानिदेशक लखनऊ द्वारा रजत पदक से नवाजा जा चुका है। प्रभारी निरीक्षक वर्ष 1988 में आरक्षी पद पर भर्ती हुए थे। उसके बाद उन्होंने वर्ष 2003 में प्रांतीय परीक्षा पास कर मुख्य आरक्षी तथा वर्ष 2007 वर्ष में उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा पास की तथा निरीक्षक पद के तहत प्रमोशन पाया। उनकी वर्ष 2018 में निरीक्षक पद पर प्रोन्नति हुई। नाम नहीं काम बोलता है दरअसल हर विभाग में नाम नहीं काम बोलता है। इसी के तहत प्रदेश से लेकर केंद्र तक से सराहनीय कार्यों के लिए जय भगवान समय-समय पर सम्मान का तौहफा हासिल करते आ रहे हैं। जो पुलिस विभाग के लिए बड़े गर्व की बात है।

आज रात्रि में दिखेंगे बृहस्पति ग्रह और चंद्रमा

लखनऊ। 30 जनवरी 2026 की रात को होने वाली इस खगोलीय घटना के दौरान बृहस्पति ग्रह और चंद्रमा पास दिखेंगे इस प्रकार के संयोजन को युति या कंजंक्शन कहा जाता है। कंजंक्शन और निकटतम बिंदु के समय में सूक्ष्म तकनीकी अंतर है। यह जानकारी खगोलविद अमर पाल सिंह ने देते हुए बताया कि खगोल वैज्ञानिक गणनाओं के अनुसार इनका विवरण कुछ इस प्रकार से होता है कि खगोल विज्ञान में कंजंक्शन तब होता है जब दो पिंडों का (सम्यक आरोहण) लगभग समान हो जाता है। एस्ट्रोनॉमी एजुकेटर,वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला (तारामण्डल) गोरखपुर, अमर पाल सिंह ने यद्यपि तकनीकी युति 30 जनवरी की रात 11.54 बजे है, लेकिन दोनों पिंडों के बीच की न्यूनतम कोणीय दूरी जिसे अप्पल्स कहा जाता है, वह कुछ मिनटों के अंतर पर होगी, इस न्यूनतम दूरी का समय 31 जनवरी 2026 है जोकि लगभग 12.08 पर होगा, और इस समय दोनों के बीच की कोणीय दूरी (3 डिग्री 18 आर्क-मिनट) होगी,लेकिन अवलोकन हेतु भारत के लिए 30 जनवरी की पूरी रात यह घटना घटित होने वाली है।खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि जाती हुई जनवरी खगोल प्रेमियों को एक और शानदार खगोलीय घटना का आकर्षक नजारा देकर जा रही है, इस दौरान 30 जनवरी 2026 की रात्रि में एक और खास खगोलीय घटना होने वाली है। इस रात को चंद्रमा और बृहस्पति ग्रह आस पास दिखेंगे, या यूं कहें कि दोनों खगोलीय पिंड एक-दूसरे के काफी निकट नजर आएंगे। ऐसे में इस रात आकाश में एक आकर्षक खगोलीय दृश्य नजर आयेगा। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि खघस बात यह होगी कि यह खगोलीय घटना मिथुन तारामंडल की पृष्ठभूमि में घटित होगी और इस दौरान दूरबीन से देखने पर बृहस्पति के चार प्रमुख चंद्रमा भी स्पष्ट देखे जा सकते हैं। लेकिन अगर आपके पास छोटी दूरबीन या बिनाकुलर भी नहीं है, तो भी निराश न हों क्योंकि इस खगोलीय घटना को आप अपनी साधारण आंखों से भी देशभर में आसानी से देखा जा सकेगा। रात्रि में चंद्रमा और बृहस्पति की युति आसानी से देखी जा सकेगी। इस दौरान चंद्रमा वैक्सिंग गिबस अवस्था में रहेगा जोकि लगभग 93 प्रतिशत प्रकाशित होगा। चंद्रमा की दृष्टिगत चमक (मैग्नीट्यूड) करीब माइनस 12.7 रहेगी, जबकि बृहस्पति ग्रह माइनस 2.47 मैग्नीट्यूड पर चमकता दिखाई देगा। सूर्यास्त के बाद यह युग्म पूर्वी क्षितिज पर दिखाई देना शुरू करेगा। 30 जनवरी की रात करीब 2रू30 से 3रू00 बजे दोनों खगोलीय पिंड आकाश में काफी पास दिखाई देंगे यह समय अवलोकन के लिए सबसे उपयुक्त रहेगा। इस दौरान वायुमंडलीय विक्षोभ न्यूनतम होता है और दृश्यता भी अधिक स्पष्ट रहती है। लेकिन भारत में मौसम साफहोने पर इसको पूरी रात देखा जा सकेगा।खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि इस खगोलीय घटना का पीक 30 जनवरी की रात 2.30 से 3.00 बजे के बीच रहेगा। लेकिन 31 जनवरी की रात्रि तक चंद्रमा, बृहस्पति से कुछ आगे निकल जाएगा। इसलिए 30 जनवरी की रात ही इस दृश्य के अवलोकन का सही समय होगा। हालांकि 31 जनवरी की रात्रि में भी यह युग्म कुछ दूरी पर रहते हुए आकाश में दिखाई देगा। खगोलविद अमर पाल सिंह ने बताया कि आकाश में जब दो खगोलीय पिंड, एक ही दिशा में लगभग साथ दिखें, उसे युति कहते हैं। जब दो आकाशीय पिंडों का सम्यक आरोहण (राइट एसेन्शन) लगभग समान हो जाता है, तो इस स्थिति को खगोल विज्ञान की भाषा में युति या 'कंजंक्शन' कहा जाता है। खगोलीय गणनाओं के अनुसार, यह तकनीकी कंजंक्शन 30 जनवरी की रात में होगा। इस क्षण चंद्रमा और बृहस्पति एक ही ऊर्ध्वाधर रेखा पर स्थित होंगे। कंजंक्शन, दोनों पिंडों के बीच वास्तविक दृष्टिगत निकटता में अंतर होता है। दोनों के बीच न्यूनतम कोणीय दूरी 31 जनवरी 2026 को तड़के लगभग 12.08 बजे होगी। इस समय चंद्रमा और बृहस्पति के बीच की दूरी लगभग 3 डिग्री 18 आर्क-मिनट रहेगी। क्योंकि कंजंक्शन और निकटतम बिंदु के समय में सूक्ष्म तकनीकी अंतर है।एस्ट्रोनॉमी एजुकेटर,वीर बहादुर सिंह नक्षत्रशाला (तारामण्डल) गोरखपुर, अमर पाल सिंह ने बताया कि इस खगोलीय घटना को देखने के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं है। आप किसी खुले, अंधेरे और साफस्थान से नंगी आंखों से ही इस खगोलीय दृश्य का आनंद ले सकते हैं। वहीं, दूरबीन से देखने पर बृहस्पति के चारो प्रमुख चंद्रमा आयो , यूरोपा, गेनीमेड और कैलिस्टो एक सीधी रेखा में स्पष्ट दिखाई देंगे। साथ ही प्रकाश प्रदूषण से दूर ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को यह दृश्य और भी अधिक स्पष्ट दिखाई देगा।

काकोरी में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा की उंगली टूटी, ग्रामीणों का प्रदर्शन

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र स्थित बहरू गांव में असामाजिक तत्वों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा की उंगली तोड़ दी। असामाजिक तत्वों की इस हरकत से ग्रामीणों में गुस्सा व्याप्त हो गया है। प्रतिमा को बुधवार रात से गुरुवार तड़के के बीच खंडित किया गया। सुबह जब ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त प्रतिमा देखी तो पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। ग्रामीण जय भीम के नारे लगाते हुए घटनास्थल पर जमा हो गए। दरी बिछाकर बैठ गए। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही काकोरी कोतवाली पुलिस भारी बल के साथ मौके पर पहुंची। स्थिति को संभाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और मलिहाबाद की भाजपा विधायक जय देवी कौशल भी मौके पर पहुंच गईं। लोगों के साथ दरी पर बैठकर मामले में उचित कार्रवाई कराने का अश्वासन दिया। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की सुबह मैदान में खेल रहे बच्चों ने मूर्ति टूटी हुई देखी, जिसके बाद उन्होंने गांव वालों को सूचना दी। यह खबर फैलते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित भीड़ ने मूर्ति स्थल पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची काकोरी पुलिस को हालात संभालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस के समझाने के बावजूद ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। लोगों ने पुलिस से नई प्रतिमा की तत्काल स्थापना, प्रतिमा स्थल पर बाउंड्री निर्माण, स्थायी बिजली व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे लगाने और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी मांग रखी। ग्रामीणों ने यह मांग की है बुद्ध पार्क के पास स्थित देसी शराब की दुकान को हटाया जाए। इस संबंध में सहायक पुलिस आयुक्त काकोरी शकील अहमद ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि जल्द ही नई प्रतिमा स्थापित कराई जाएगी। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तार के लिए टीम गठित कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए काकोरी, दुबग्गा, पारा और मानक नगर थानों की पुलिस फोर्स मौके पर तैनात की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। इनमें बसपा नेता सत्य कुमार गौतम, भारतीय समन्वय संगठन लक्ष्य के आजाद करन गौतम (कमांडर), ग्राम प्रधान गुरु दयाल बहरू, आजाद समाज पार्टी से मोहित राज (अंबेडकर विधानसभा अध्यक्ष), जिला अध्यक्ष एडवोकेट अजय भारती, अजय देवा, शैलेंद्र आजाद, निशांत गौतम सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मामले को लेकर प्राथमिक विद्यालय बहरू स्थित बुद्ध पार्क परिसर में भी चर्चा होती रही। वहीं, भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष सहित संगठन के कई पदाधिकारियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात है और स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। ग्राम प्रधान गुरु दयाल बहरू ने कहा सरकार से विनती करते हैं कि सबसे पहले यहां का शराब का ठेका बंद कराया जाए। यह स्कूल की बाउंड्री से सटा हुआ है। अराजकतत्व यहां पर जमा होते रहते हैं। उन्हीं ने मूर्ति को भी क्षति पहुंचाई है। शराब ठेका इसलिए भी बंद होना चाहिए क्योंकि यहां कक्षा-8 तक की बहन-बेटियां पढ़ने आती हैं। आजाद समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष अजय भारती ने सरकार से सवाल उठाया यूपी के हर गांव, नगर में ऐसा क्यों हो रहा है? बाबा साहब की प्रतिमा के साथ ही ऐसा क्यों होता है। सरकार प्रतिमा की बाउंड्री कराए। शिक्षा के मंदिर के पास शराब का ठेका हटाया जाए। यहां ठेका लाना गलत है। इसका हम विरोध और तेज करेंगे।

यूजीसी एक्ट 2026 के विरोध में सवर्ण आर्मी ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। यूजीसी के प्रस्तावित नए कानून यूजीसी एक्ट 2026 के विरोध में सवर्ण आर्मी लखनऊ इकाई द्वारा सोमवार को जिलाधिकारी लखनऊ को ज्ञापन सौंपा गया। यह कार्यक्रम संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय एवं राष्ट्रीय महासचिव ठाकुर शिवम सिंह के आह्वान पर आयोजित किया गया। ज्ञापन सवर्ण आर्मी लखनऊ की अगुवाई में सौंपा गया, जिसमें जिला प्रभारी करुणा शंकर उपाध्याय, मंडल आईटी सेल प्रभारी अनिमेष, जिला संयोजक नीतीश दीक्षित, जिला अध्यक्ष अभय द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह (जीतू), जिला सचिव डॉ. अजीत कुमार सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ, विधि प्रकोष्ठ एवं तहसील स्तर के पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। संगठन की प्रमुख मांगों में यूजीसी बिल 2026 को पूर्णतः वापस लेने, एससी-एसटी कानून को निरस्त करने तथा सवर्ण आयोग के गठन की मांग शामिल रही। सवर्ण आर्मी के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि यूजीसी का नया कानून शिक्षा व्यवस्था एवं सामाजिक संतुलन के विरुद्ध है। राष्ट्रीय महासचिव ठाकुर शिवम सिंह ने जानकारी दी कि संगठन द्वारा यूजीसी अध्यक्ष से मिलकर भी काले कानून को वापस लेने की मांग की जा चुकी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यूजीसी एक्ट 2026 को वापस नहीं लिया गया, तो सवर्ण आर्मी पूरे देश में आंदोलन करेगी। इसके अंतर्गत दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़े स्तर पर प्रदर्शन की योजना बनाई गई है, जिसकी अनुमति भी प्राप्त हो चुकी है। सवर्ण आर्मी ने स्पष्ट किया कि संगठन लोकतांत्रिक तरीके से अपने अधिकारों की लड़ाई जारी रखेगा। अगर चाहो तो मैं इसे और तीखा, और न्यूट्रल, या लोकल अख़बार के हिसाब से छोटा/बड़ा भी कर सकता हू।

हिन्दुओं का विभाजनकारी कानून यूजीसी सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद भी सरकार से कानून वापस करने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। युवा नेता अंशुमान त्रिवेदी के नेतृत्व में अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के युवा कार्यकर्ता आज अपराह्न विधानभवन के समक्ष हिन्दुओं का विभाजनकारी कानून यूजीसी के नये कानून को वापस लिये जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद सड़कों पर उतरे युवा कार्यकर्ता ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह अपनी ओर से यूजीसी के नियमों को वापस ले। इस मौके पर प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे अंशुमान त्रिवेदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने नये नियम पर रोक लगा कर सवर्ण समाज को राहत पहुंचाने का काम किया है, जिसका हम स्वागत करते हैं, लेकिन इस यूजीसी नियम को लाने वाली केन्द्र सरकार रोल बैक कर सम्पूर्ण समाज के छात्रों को न्याय दिलाने का काम करें। इससे पहले तय कार्यक्रम के अनुसार संगठन के युवा कार्यकर्ता कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे उसमें हर जाति वर्ग के लोग शामिल थे। इस दौरान श्री त्रिवेदी ने नये नियमो को जातिगत आधार में हिन्दु समाज को आपस में न सिर्फ भिड़ाने का प्रयास करने वाला बताया।

यूजीसी के खिलाफसवर्णों का प्रदर्शन,केंद्र सरकार से बिल वापस लेने की मांग

लखनऊ। राजधानी के हजरतगंज में सवर्णों की तरफसे यूजीसी एक्ट के विरोध में धरना प्रदर्शन किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के लोग गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन कर रहे हैं। हजरतगंज एसीपी विकास जायसवाल ज्ञापन लेने के लिए पहुंचे तो प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि जिलाधिकारी मौके पर आएं तभी धरना खत्म होगा। इस मौके पर लोगों का कहना है कि हम बीजेपी के लिए लाठियां खा रहे हैं,लेकिन इसके बदले हमें यह मिल रहा है। प्रदर्शन करने पहुंचे भानु पांडेय ने सरकार बोला कि जो कल तक हिंदुओं की नुमाइंदगी की बात करते थे वह आज समाज को बांटने में लगे हुए है, आखिर सवर्ण समाज की गलती क्या है? यही कि उसने अपना बोट देकर इनको सता प्रदान की। अगर यह काला बिल जल्द वापस न लिया गया तो हम लोग दिल्ली कूच करेंगे। धर्मेंद्र प्रधान ने भाजपा की लगा दी वाट,

भाजपा की खड़ी हो गई खाट... बोलो सारा रा। इस अवसर पर ब्राहाण परिवार संगठन के प्रवक्ता अभिषेक अग्निहोत्री ने बोला कि केंद्र सरकार द्वारा लाए गए यूजीसी अमेंडमेंट से सवर्ण समाज में आक्रोश का माहौल है। इस प्रकार के अनुशासन हीन लोकतंत्र से मौजूदा युवा वर्ग व भविष्य की आने वाली पीढ़ी में उच्च के शिक्षा के मन्दिरों (सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों,संस्थाओं) में एक सुनियोजित तरीके से भय का माहौल बनाया जा रहा है। हम 21 वीं सदी जी रहे हैं, किसी समाज में जन्म लेने वाले व्यक्ति को कोई भी बेबुनियाद आरोप अपराधी कैसे बना सकता है। अग्निहोत्री ने चेतावनी दी कि सरकार द्वारा इस प्रकार के काले कानून को लाकर हिंदुओं को बांटने की गहरी साजिश रची गई है, मंशा आखिर क्या है, सरकार को जवाब देना होगा, अन्यथा परिणाम गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। यूजीसी एक्ट के विरोध में आने वाले सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों व सवर्ण नेताओं के प्रति किसी प्रकार की द्वेषपूर्ण कार्यवाही ब्राहाण परिवार व सवर्ण समाज स्वीकार नही करेगा। उनकी स सम्मान पदों पर वापसी सरकार को तय करनी होगी। प्रदेश अध्यक्ष श्याम नारायण मिश्रा बोले की भाजपा को यदि यह लगता है कि उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं है तो वह भूल में है। जो राजनैतिक पार्टी इस काले कानून में उनके साथ खड़ी होगी वही सवर्ण का विकल्प बन जाएगी, अन्यथा सवर्ण अपना विकल्प खुद बना लेगा। इस कानून को लेकर लड़ाई नही थमेगी। आवश्यकता पड़ी तो संसद का भी घेराव किया जाएगा। सरकार को सवर्णों के प्रति अपनी जुमले बाजी बंद करनी होगी। यूजीसी 2026 कानून में कोई अमेंडमेंट नहीं स्वीकार होगा इसे पूर्ण रूप से वापस ही लेना होगा, अन्यथा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार चाहेगी।

यूजीसी इक्विटी रेगुलेशंस 2026 पर सुप्रीम कोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणियों का स्वागत

न्यायालय की टिप्पणियां लोकतांत्रिक, समावेशी एवं एकताबद्ध समाज की दिशा में अहम- सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद ईक्विटी रेगुलेशन वापस लेने की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। सामाजिक समरसता मंच, ने यूजीसी इक्विटी रेगुलेशंस 2026 के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों एवं निर्देशों का स्वागत करते हुए कहा है कि ये टिप्पणियां न केवल शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता और समावेशिता की रक्षा करती हैं, बल्कि भारतीय समाज की एकता और सामाजिक सौहार्द को भी मजबूती प्रदान करती हैं। मंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणियां यह स्पष्ट करती हैं कि सामाजिक न्याय के नाम पर ऐसे प्रावधान नहीं होने चाहिए जो समाज में नए विभाजन पैदा करें। मंच ने मांग की कि केंद्र सरकार और यूजीसी न्यायालय की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए नियमो को तत्काल वापस ले । मंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि यूजीसी इक्विटी रेगुलेशंस 2026 को लागू न किया जाए। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया इन नियमों को अस्पष्ट बताते हुए इनके दुरुपयोग की आशंका जताई है, जो इस बात का प्रमाण है कि नियमों को बिना व्यापक विमर्श के लागू करना उचित नहीं है।

मंच ने सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी का भी स्वागत किया कि इन नियमों की पुनर्समीक्षा एक छोटी समिति द्वारा की जाए, जिसमें प्रतिष्ठित विधिवेत्ता शामिल हों, ताकि नियम संविधान की भावना, सामाजिक न्याय और व्यावहारिक वास्तविकताओं के अनुरूप हों। मंच के अनुसार न्यायालय द्वारा उठाए गए निम्नलिखित प्रश्न अत्यंत गंभीर एवं दूरगामी महत्व के हैं। क्या ऐसे मामलों में भी भेदभाव माना जाएगा, जहाँ जातिगत पहचान स्पष्ट न हो, जैसे भौगोलिक या क्षेत्रीय आधार पर अपमान? नियमों में यह मानकर क्यों चला गया है कि उत्पीड़न केवल जाति-आधारित ही होता है, जबकि व्यवहार में अन्य आधारों पर भी भेदभाव और उत्पीड़न होता है? क्या इस प्रकार के नियमों से हम जातिविहीन समाज की दिशा में अब तक की गई प्रगति से पीछे नहीं जा रहे हैं? मंच ने सुप्रीम कोर्ट की उस सशक्त टिप्पणी को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताया, जिसमें अलग-अलग जातियों के लिए अलग हॉस्टल की अवधारणा पर न्यायालय ने कहा— भगवान के लिए, ऐसा मत कीजिएज हम सब साथ रहते थे। मंच ने कहा कि यह टिप्पणी भारत की साझा संस्कृति, भाईचारे और सामाजिक समरसता की आत्मा को दर्शाती है। मंच ने इस बात से भी सहमति जताई कि शैक्षणिक संस्थानों में भारत की एकता झलकनी चाहिए, न कि ऐसे प्रावधान हों जो समाज को और अधिक खांचों में बांटें। न्यायालय द्वारा यह प्रश्न उठाया जाना भी महत्वपूर्ण है कि जब रेगुलेशन 3(द्व) पहले से ही भेदभाव को कवर करता है, तो रेगुलेशन 3(ष) की आवश्यकता क्यों है। क्या यह अनावश्यक नहीं है? साथ ही यह भी कि यदि 2012 के नियम अधिक समावेशी थे, तो 2026 में उनसे पीछे क्यों जाया जा रहा है और रैगिंग जैसे गंभीर मुद्दे को नियमों में क्यों नहीं शामिल किया गया। सामाजिक समरसता बनाए रखने हेतु यह मंच समाज में व्यापक जनसंपर्क और बैठकों का अभियान जारी रखेगा। सामाजिक समरसता मंच की आज आशियाना मे हुई बैठक में मुख्यतया रीना त्रिपाठी, सीमा द्विवेदी, रेनू त्रिपाठी, देवेन्द्र शुक्ल, अजय तिवारी, सुरेश चन्द्र बाजपेई, दुर्गेश पांडे, प्रेम तिवारी, सुधांशु मिश्र, शिव दीक्षित, संजय कुमार द्विवेदी , अनिल सिंह उपस्थित थे।

संसद का बजट सत्र महामहिम राष्ट्रपति का सम्बोधन पारम्परिक ज्यादा तथा आमजन उपयोगी कम लगता है-मायावती

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। संसद के बजट सत्र की शुरुआत महामहिम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के संयुक्त अधिवेशन को सम्बोधन के साथ हुई। बीएसपी प्रमुख मायावती ने महामहिम राष्ट्रपति के सम्बोधन पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि उनका सम्बोधन पारम्परिक ज्यादा और आम जनता के लिए कम उपयोगी लगता है। मायावती ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा - मा. राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा संसद के संयुक्त अधिवेशन के सम्बोधन के साथ ही संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है, जो देश की ज्वलन्त समस्याओं के त्वरित समाधान तथा देश को वाकई में आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर कराने हेतु नई उम्मीद जगाने वाला परिष्कृत नहीं होने से यह सम्बोधन लोगों को पारम्परिक ज्यादा तथा आमजन उपयोगी कम लगता है। ठीक ऐसे समय में जब ख़ासकर विश्व की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका 'अमेरिका फर्स्ट' के अभियान में लगा हुआ है और जिस कारण पूरी दुनिया में हर प्रकार की उथल-पुथल मची हुई है, भारत का भी इससे काफी कुछ प्रभावित होना स्वाभाविक ही है, जिसके उपायों की उम्मीद के रूप में सरकार द्वारा निजी क्षेत्र पर अत्यधिक भरोसा भारतीय परिवेश में कितना कारगर साबित होगा, इस पर लोगों की आशंकायें एवं चिन्तायें बरक़रार होने के कारण सरकारों को अपने ऊपर भरपूर आत्मविश्वास दिखाने की ज़्यादा ज़रूरत लगती है। मायावती ने कहा कि सरकार राजनीतिक तौर पर जितनी तीव्रता के साथ संसद में व संसद के बाहर भी अपने विरोधियों को अपना निशाना बनाती रहती है, लोगों के आत्म-विश्वास को मज़बूत बनाने के लिये आत्मनिर्भरता एवं विदेश नीति सहित देश व जनहित के मामलों में भी सरकार को उतनी ही प्रखरता की लोगों को प्रतीक्षा है, जिसकी झलक संसद के बजट सत्र में अगर देश को मिले तो यह उचित होगा। इस क्रम में भारत का करीब 20 साल बाद यूरोपीय यूनियन के साथ व्यापारिक समझौता बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के साथ-साथ आमजन के हित व कल्याण में भी अवश्य होना चाहिये।

पॉश एक्ट से संबंधित कार्यशाला एंव सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत प्रतियोगिताओं का आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। स्थानीय नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय अलीगंज में 29 जनवरी 2026 को पॉश एक्ट से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ (आईसीसी) के तत्वावधान में हुआ। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्रो. अभिषेक तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न की रोक थाम के लिए अधिनियम में अनेक व्यवस्थाएं की गई हैं। अधिनियम ये प्रावधानित करता है कि कार्यस्थल पर महिलायें बिना किसी भय या उत्पीड़न के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे नियम बनाये गयें हैं जिससे महिलायें निर्विघ्न कार्य कर सकें। प्राचार्य प्रोफ़ेसर रश्मि बिश्नोई ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि महिला महाविद्यालय द्वारा स्त्री सशक्तिकरण की दिशा में ये प्रभावी कदम है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम की जानकारी प्रत्येक कार्मिक और छात्राओं को होनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजक आईसीसी प्रभारी प्रोफेसर शालिनी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर पॉश

कमेटी के सदस्य प्रो. शिवानी श्रीवास्तव, प्रो. विनीता लाल, प्रो. कंचनलता, डा. रश्मि अग्रवाल, डा. ज्योति, डा. भास्कर शर्मा सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्रायें मौजूद रही। महाविद्यालय में आज ही सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंडल स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सूच्य है कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए जिला स्तर पर भाषण, नुक्कड़ नाटक तथा रील मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई थीं। जिलों में उक्त प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को आज मंडल स्तर पर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका मिला। इस प्रतियोगिता में सभागीय परिवहन अधिकारी प्रभात पांडे मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पीटीओ लखनऊ एसपी देव उपस्थित थे। मुख्य अतिथि ने कहा कि जिस तरह से शिक्षा के बिना अब जीवन व्यर्थ लगता है इसी प्रकार जीवन को बचाए रखने के लिए सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी और उनका पालन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से अगर कोई छात्र दुर्घटना का शिकार हो जाता है उससे उसका पूरा कैरियर नष्ट हो सकता है। विशिष्ट अतिथि एसपी देव ने भी सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया। प्राचार्य तथा मंडल नोडल प्रभारी प्रोफेसर रश्मि बिश्नोई ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों को जानना अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय नोडल अधिकारी डा. श्रद्धा द्विवेदी ने किया, उन्होंने सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ भी दिलाई। भाषण प्रतियोगिता का आयोजन डा. विशाल प्रताप सिंह के संयोजकत्व में हुआ जबकि रील मेकिंग प्रतियोगिता का संयोजन डा. राहुल पटेल तथा नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का संयोजन लेफ्टिनेंट प्रतिमा शर्मा ने किया। भाषण प्रतियोगिता में लखनऊ जनपद से नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला महाविद्यालय इग्नू केंद्र की छात्रा माही बाजपेयी प्रथम स्थान, सीतापुर की छात्रा साक्षी मिश्रा द्वितीय तथा तृतीय स्थान उन्नाव की वैष्णवी को मिला। रील मेकिंग में हरदोई जनपद के अमन गुप्ता प्रथम सीतापुर के मनीष कुमार द्वितीय तथा तीसरा स्थान लखनऊ की प्रियांशी वर्मा तथा नुक्कड़ नाटक में सीतापुर जनपद को प्रथम घोषित किया गया। लखनऊ जनपद को द्वितीय तथा तीसरा स्थान उन्नाव जनपद को मिला। पुरस्कारों की घोषणा प्रो. राजीव यादव प्रो. पूनम वर्मा तथा प्रो. शालिनी श्रीवास्तव के द्वारा की गई। स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इन्हें नकद पुरस्कार भी शासन द्वारा प्रदान किया जाएगा।

समाचार

श्रीमद् भागवत कथा संपन्न होने पर आस्था कृष्ण धाम में विशाल भंडारे का किया गया आयोजन।

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आशियाना क्षेत्र के खजाना चौराहा स्थित आस्था धाम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा संपन्न होने पर भजन संध्या के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आस्था कृष्ण धाम के अध्यक्ष एडवोकेट संतोष त्रिपाठी ने बताया कि आस्था कृष्ण धाम के 10 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में बीते 22 जनवरी से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया था। कथा के संपन्न होने को उपरांत विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है। भंडारे में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। क्षेत्र के नामचीन हस्तियों सहित तमाम गणमान्य लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। एडवोकेट संतोष त्रिपाठी ने बताया कि आस्था कृष्ण धाम द्वारा सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के साथ-साथ गरीब परिवार की कन्याओं का विवाह कराने जैसे पुनीत कार्य किए जाते है। उन्होंने बताया कि आस्था कृष्ण धाम अब ट्रस्ट का रूप ले चुका है और अब शिक्षा चिकित्सा के क्षेत्र में भी कदम बढ़ा चुका है।

अवैध गैस रिफिलिंग के दौरान सिलेंडर फटा,दुकानदार झुलसा

लखनऊ। राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र स्थित जुग्गौर इलाके में गुरुवार सुबह अवैध गैस रिफिलिंग के दौरान सिलिंडर फट गया। हादसे में रिफिलिंग कर रहा दुकानदार करन गंभीर रूप से झुलस गया। धमाका इतना तेज था कि उसकी आवाज करीब 1 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास के मकानों से लोग निकलकर बाहर भाग गए। घटना के बाद इलाके में अफ़रा-तफ़री मच गई। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे युवक को अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, जुग्गौर इलाके में लंबे समय से बड़े पैमाने पर अवैध गैस रिफिलिंग का काम चल रहा था। इस वजह यह हादसा हुआ। इंस्पेक्टर राम सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के समय करन ही दुकान में मौजूद था। अवैध गैस रिफिलिंग से जुड़े लोगों के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

2 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें लखनऊ डायवर्ट,खराब मौसम की वजह से काठमांडू में नहीं हो पाई लैंड

लखनऊ। काठमांडू में खराब मौसम के कारण गुरुवार सुबह 2 उड़ानों को लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। ये उड़ानें कुवैत और शारजाह से काठमांडू जा रही थीं, लेकिन वहां लैंडिंग नहीं कर सकीं। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, काठमांडू में घना कोहरा और कम विजिबिलिटी के कारण विमानों की लैंडिंग प्रभावित हुई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने सुरक्षा कारणों से विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद उन्हें लखनऊ भेजा गया। सूत्रों ने बताया कि कुवैत से काठमांडू जा रही जजीरा एयरलाइंस की उड़ान संख्या जे9539 को सुबह 6.40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतारा गया। इस विमान में 169 यात्री और 6 क्रू मेंबर सवार थे। मौसम अनुकूल होने के बाद विमान को काठमांडू के लिए रवाना किया जाएगा। इसी क्रम में, शारजाह से काठमांडू जा रही एयर अरेबिया की उड़ान संख्या जी9536 को भी काठमांडू में लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। यह विमान काठमांडू एयरपोर्ट के ऊपर कई चक्कर लगाने के बाद सुबह 7.40 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचा। इस उड़ान में 167 यात्री सवार थे। खराब मौसम का असर लगातार अंतरराष्ट्रीय विमान सेवाओं पर देखा जा रहा है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

केकेसी में यूजीसी के नए नियमों का विरोध,छात्रों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के केकेसी कॉलेज में गुरुवार को छात्रों ने यूजीसी के नए नियमों को लेकर बड़ा प्रदर्शन किया। छात्रों ने इसे देश के लिए खतरनाक बताते हुए इन कानूनों को तत्काल वापस लेने की मांग की। इस दौरान कॉलेज परिसर में नारेबाजी और विरोध मार्च के चलते माहौल काफी गरमाया रहा। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि यूजीसी का नया बिल देश के भविष्य को नष्ट कर रहा है। इससे एक वर्ग को जुल्म के नाम पर दूसरे के साथ नाइंसाफी करने का मौका मिलेगा। ये सिर्फ वोट बैंक पॉलिटिक्स के तहत उठाया गया कदम है। प्रदर्शन में कॉलेज के एलएलबी स्टूडेंट्स ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। उनका का कहना है कि नए बिल में सामान्य वर्ग के लोगों के अधिकारों को नष्ट कर दिया गया हैं। उनका आरोप है कि यह बिल संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफहै और इससे सामाजिक ताना बाना भी नष्ट हो रहा है। छात्रों ने हाथों में तख्तियां लेकर यूजीसी बिल वापस लो और देश बचाओं जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कॉलेज परिसर में मार्च करते हुए पहले गेट पर आए और फिर रोड से वापस कैंपस में जाकर नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना था कि यदि सरकार यूजीसी के नए बिल को वापस नहीं लेती हैं, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो धरना और आमरण अनशन भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा से जुड़े किसी भी निर्णय में छात्रों और शिक्षकों की सहमति अनिवार्य होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कॉलेज प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था सतर्क रही। मौके पर पुलिस बल की तैनाती रही। बाद में पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को गाड़ी में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया।

9 फरवरी से शुरू होगा उप्र विधानमंडल का बजट सत्र, 11 फरवरी को पेश होगा बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का बजट सत्र नौ फरवरी से प्रारंभ होगा। सत्र की औपचारिक शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से की जाएगी। इसके बाद 11 फरवरी को योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2026-27 का आम बजट विधानसभा में प्रस्तुत करेगी। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि 9 फरवरी को विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा और 11 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा। बजट सत्र के दौरान सरकार की आर्थिक नीतियों, विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है।

संपादकीय

दुनिया किसी 'नई विश्व व्यवस्था' की ओर नहीं बढ़ रही

हर कुछ दशकों में, जब वैश्विक अस्थिरता बढ़ती है, तब एक परिचित शब्द सुनाई देने लगता है-विश्व व्यवस्था (वर्ल्ड ऑर्डर)। हालिया दिनों में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कुछ तल्ख बयानों और हैरानी भरे कदमों के बाद यह शब्दावली फिर चर्चा में है। अब इसे 'नई विश्व व्यवस्था' के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन इतिहास साक्षी है कि ऐसी कोई स्थायी वैश्विक व्यवस्था कभी नहीं रही। असल दुनिया में हमेशा एक बात का वजन होता है और वह शक्तिशाली का कमजोर पर प्रभुत्व है। गत 20 जनवरी को ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया मंच पर ए.आई. निर्मित एक विवादित तस्वीर सांझी की। उसमें उन्होंने कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को अमरीकी क्षेत्र के रूप में दिखाया। वह तस्वीर अमरीकी राष्ट्रपति के कार्यालय की थी, जिसमें शीर्ष यूरोपीय नेताओं की भी मौजूदगी थी। कुछ दिन पहले, 8 जनवरी को ट्रम्प ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को साक्षात्कार देते हुए कहा था, ''मुझे किसी अंतर्राष्ट्रीय कानून की जरूरत नहीं, मेरी शक्ति की सीमा सिर्फ मेरी नैतिकता है।'' यह संकेत इतिहास के संदर्भ में विडंबनाओं से भरा है, क्योंकि अमरीका खुद साम्राज्यवादी नियंत्रण के खिलाफ विद्रोह से पैदा हुआ वह देश है, जो पहले ही अमरीकी महाद्वीप पर बाहरी अधिकार की भयावह क्रूरता को झेल चुका था। 1492 में इतालवी क्रिस्टोफर कोलम्बस ने स्पेन के ईसाई राजा के लिए अमरीका की 'खोज' की। लंबी समुद्री यात्रा करके अमरीका पहुंचे कोलम्बस का वहां जिन मूल निवासियों ने स्वागत किया, उन्हें और उनकी 'पेगन' संस्कृति-सभ्यता को मजहब के नाम पर मिटाकर अमरीकी संग्रहालय में शोभा बढ़ाने की वस्तु तक गौण कर दिया है। सदियों बाद संभवतरू पहली बार यूरोप खुद अपने द्वारा स्थापित साम्राज्यवादी हनक को महसूस कर रहा है। ट्रम्प की 'साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं' की आलोचना उसी यूरोपीय महाद्वीप से आ रही है, जिसका इतिहास ही आक्रमण, औपनिवेश और नस्लीय भेदभाव से भरा है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने स्विट्जरलैंड स्थित दावोस में 'विश्व आध्थक मंच' से ट्रम्प को घेरते हुए कहा था, ''यह नए साम्राज्यवाद का समय नहीं है।'' यह वही फ्रांस है, जो आज भी कैरीबियाई क्षेत्र से ड्क्षहद महासागर तक कई क्षेत्रों का अपना प्रशासन चलाता है। अल्जीरिया में फ्रांसीसी शासन के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम (1954-62) में लगभग 15 लाख लोग मारे गए थे। जर्मनी के वित्त मंत्री ने चेतावनी दी कि वह ट्रम्प के दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। वहीं फ्रांसीसी वित्त मंत्री के अनुसार, 250 साल पुराने सहयोगी अब शुल्क को हथियार बना रहे हैं। वहीं कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने विश्व व्यवस्था को 'एक सुखद भ्रम का अंत' बताया है। सच तो यह है कि तथाकथित 'विश्व व्यवस्था' कभी सार्वभौमिक नैतिक समझौता नहीं रहा, बल्कि यह नियम बनाने वालों के हित में बना अग्रिम उपक्रम था। इसलिए पश्चिमी दुनिया के मुंह से नैतिकता की बात करना छलावा जैसा है। पुर्तगाली वास्को डी गामा और स्पेनवासी जेसुइट मिशनरी फ्रांसिस जेवियर आदि के 16वीं शताब्दी में भारत पहुंचने का घोषित लक्ष्य स्थानीय पूजा-पद्धति को मिटाकर ईसाइयत का विस्तार करना था। इसमें हिंदुओं, मुसलमानों और स्थानीय ईसाइयों पर जो उत्पीडन हुआ, उसका नृशंस इतिहास है। कई प्रामाणित लेखकों के साथ संविधान निर्माता डा. भीमराव रामजी आंबेडकर के साहित्य में भी इन सभी निर्मम घटनाओं का स्पष्ट उल्लेख है। वैटिकन और कैथोलिक चर्च दुनिया के कुछ हिस्सों (कनाडा सहित) में अपने 'अपराधों' पर खेद जता चुका है, जो कोई पश्चाताप न होकर केवल छवि सुधार का हिस्सा है। यदि यूरोप का अतीत कलंकित है, तो अमरीका का इतिहास रणनीतिक भूलों से भरा है। उसने ही साम्राज्यवादी चीन के विश्व उदय का रास्ता खोला था। वर्ष 1999 में व्यापार समझौता और 2001 में 'विश्व व्यापार संगठन' में प्रवेश दिलाकर अमरीका ने चीन को उत्पादन का वैश्विक केंद्र बना दिया। तब चीन की जी.डी.पी. 1.2 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि अमरीका की 10.3 ट्रिलियन डॉलर। आज वही चीन 19.5 ट्रिलियन डॉलर के साथ अमरीका के करीब पहुंच गया है, जिसका तिब्बत पर कब्जा है, कई देशों (भारत सहित) से चीन का सीमा (समुद्री क्षेत्र सहित) विवाद है और अपनी दूषित कर्ज-नीति से श्रीलंका जैसे कुछ देशों को तबाह कर चुका है। अमरीका दशकों से ताकत दिखाता रहा है। वियतनाम, ईराक, अफगानिस्तान और वेनेजुएला इसके प्रमाण हैं। 1980 के दशक में अमरीका ने अफगानिस्तान में तत्कालीन सोवियत संघ के खिलाफ जिन मुजाहिदीनों को पैदा किया।

दुखद हादसा

बुधवार सुबह बारामती के पास हुई एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार व चालक दल के सदस्यों समेत पांच लोगों की दुखद मृत्यु हो गई। मुंबई से बारामती आ रहा चार्टर विमान मौसम की खराबी के कारण रनवे के करीब दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का असली पता जांच के बाद ही चलेगा, मगर प्रथम दृष्टया धुंध के कारण दृश्यता में कमी ही बताया जा रहा है। महाराष्ट्र में छह बार उप मुख्यमंत्री रहे अजित पवार के राज्य में राजनीतिक योगदान को नकारा नहीं जा सकता। राज्य में तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है और राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व अन्य विपक्षी दलों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। हालांकि, ममता बनर्जी ने उनकी मौत को लेकर कुछ सवाल खड़े किए हैं, लेकिन उनके राजनीतिक गुरु व चाचा शरद पवार ने उनकी मृत्यु को लेकर राजनीतिक बयानबाजी को खारिज किया है। निश्चय ही महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी के नेता अजित पवार की असामयिक दुर्घटना में मृत्यु ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक शून्य जरूर पैदा कर दिया है। वहीं डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी डीजीसीए के मुताबिक दुर्घटना क्रैश लैंडिंग के दौरान हुई। रनवे के निकट हुए हादसे में विमान में आग लग गई और स्थानीय लोगों के प्रयासों के बावजूद किसी को बचाया नहीं जा सका। विमान लियरजेट-45 सोलह साल पुराना था। घटना पर राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। निस्संदेह, अजित पवार जनता के नेता थे और जमीनी स्तर पर लोगों से उनका गहरा जुड़ाव था। बताया जाता है कि प्रशासनिक मामलों में उनकी समझ गहरी थी। वे वंचित वर्ग को सशक्त करने के प्रयासों के लिये जाने जाते रहे हैं। बहरहाल, अजित पवार को महाराष्ट्र की राजनीति में उनके बदलते दांव-पेचों के लिये याद किया जाता रहेगा। उनके बारे में कहा जाता रहा है कि वे उस कहावत को हकीकत बनाते रहे हैं कि राजनीति में कोई स्थायी दोस्त नहीं होता और ना ही स्थायी दुश्मन। वे अपनों के साथ तो रहे, गैरों को भी रास आए। उन्होंने चाचा और अपने राजनीतिक गुरु शरद पवार से राजनीति के गुर सीखे। शरद पवार को महाराष्ट्र की राजनीति का चाणक्य कहा जाता रहा है, लेकिन अजित पवार ने उनसे अलग होकर अपनी नई राह भी बनायी। यूं तो उन्होंने चाचा शरद के साथ राजनीतिक पारी शुरू की लेकिन साल 2023 आने तक वे एकला चलो की राजनीति करने लगे। हालांकि, उन्होंने चाचा शरद पवार की छत्रछाया में राजनीति का ककहरा सीखा लेकिन एक समय वे पार्टी का सिंबल भी ले जाने में कामयाब रहे। फिर शरद पवार को नई पार्टी बनाकर उपस्थिति दर्ज करानी पड़ी। बारहवीं तक पढ़ाई के बावजूद वे अनुभवी नीतिकारों की सहायता से एक बेहतर प्रशासक भी साबित हुए। सहकारी चीनी मिलों से राजनीति की शुरुआत करने वाले पवार विधायक से लेकर सांसद तक चुने जाते रहे। वे राज्य में छह बार उप मुख्यमंत्री बने। साल 1991 में पहली बार बारामती से कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने, लेकिन चाचा शरद पवार के लिये बाद में सीट खाली भी की। वे सबसे पहले 1995 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर विधायक बने। उनकी लोकप्रियता का आकलन इस बात से किया जा सकता है कि वे सात बार विधायक चुने गए।

हिन्दुओं को विभाजित करके अपनी राजनीति साधने के प्रयास में विपक्ष

मृत्युंजय दीक्षित

> अविमुक्तेश्वरानंद प्रायः अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था। एक बार स्वामी अविमुकतेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नहीं है उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए।

पहली घटना वाराणसी के मणिकर्णिका घाट के नवीनीकरण के लिए पुरानी प्रतिमाओं तथा कुछ छोटे मंदिरों पर बुलडोजर चलाने की थी जो बाद में फर्जी निकली। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के उपरान्त एआई वीडियो के आधार पर मंदिर तोड़े जाने की अफवाहें फैलाकर राजनैतिक रोटियां सेंकने वाले लोगों जिनमें आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह तथा बिहार के सांसद पप्पू यादव शामिल हैं पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके बाद भी इस विषय पर स्थानीय स्तर पर राजनीति की जा रही है। समाजवादी पार्टी पीडीए के नाम पर पाल समाज को भड़काकर धरना प्रदर्शन इत्यादि का आयोजन कर रही है। इस मुद्दे पर सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा भारतीय जनता पार्टी की छवि को आघात पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया का जमकर प्रयोग कर रही है। दूसरी घटना प्रयागराज में चल रहे माघ मेले की है जो विवादों में रहने वाले एक शंकराचार्य के तथाकथित अपमान से जुड़ी है। प्रयागराज में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला माघ मेला सफलतापूर्वक चल रहा था उसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद मेला प्रशासन के नियमों को धता बताते हुए पालकी (बग्घी) में बैठकर अपने भक्तों के साथ संगम नोज पर पहुँचने के लिए अड़ गए। पुलिस बल ने उनको बग्घी न ले जाने का निवेदन किया। उनके भक्तों और पुलिस के बीच विवाद हुआ और उन्होंने पुलिस के साथ हाथापाई शुरू कर दी। इसके बाद जमकर उपद्रव हो गया। अंततः शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठ और समाजवादी पार्टी और अन्य विरोधी दलों ने मामले को तुरंत ही अपनी राजनीति चमकाने के लिए लपक लिया। विभिन्न राजनैतिक दल इस मुद्दे को जिस तरह उठा रहे हैं उससे यह स्पष्ट है कि उनको शंकराचार्य या सनातन के सम्मान से कोई लेना देना नहीं है उनका एकमात्र उद्देश्य इस मुद्दे पर हिन्दू मतों का विभाजन करना है। यह भी संभव है कि इस प्रकरण की पटकथा किसी राजनैतिक दल ने ही लिखी हो जो आजकल अविमुक्तेश्वरानंद के निकट दिखाई दे रहा है। राजनैतिक दल तो समय के अनुसार अपने रंग बदलते रहते हैं किन्तु क्या अविमुक्तेश्वरानंद भी यह भूल गए कि जो समाजवादी आज उनका समर्थन कर रहे हैं जिन्होंने ही कभी उनके ऊपर लाठियां बरसाई थीं और जमीन पर पटक – पटक कर मारा था। उस समय भाजपा ने ही उनकी सुरक्षा व बचाव किया था। आज अविमुक्तेश्वरानंद भाजपा व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। अविमुक्तेश्वरानंद प्रायः अपनी विवादित बयानबाजी के कारण चर्चा में रहते हैं। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर विवादित बयान दिया देकर इन्होंने बड़ा विवाद खड़ा करने का असफल प्रयास किया था। एक बार स्वामी अविमुकतेश्वरानंद ने कहा था कि राहुल गांधी हिंदू नहीं हैं उन्हें राम मंदिर नहीं जाने देना चाहिए। जब आपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार ने पाक के साथ सिंधु जल समझौता निलंबित किया तब उन्होंने कहा था कि यह काम करने के लिए भारत को कम से कम 20 साल लग जाएंगे, इन्होंने वक्फ संशोधन बिल को सौगात–ए–मोदी कहा था। यह काशी कारिडोर का भी विरोध कर चुके हैं। यह शंकराचार्य अभी तक अयोध्या दर्शन करने नहीं गए हैं। यह हिंदू समाज को विभाजित करने वाली राजनैतिक ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर उनके शिकार हो गए हैं। जिन लोगों के मुंह में तमिलनाडु के द्रमुक नेता सनातन की तुलना डेंगू ,मलेरिया से तुलना उसके उन्मूलन जैसी बातों पर ताला लग जाता है वो भी शंकराचार्य के समर्थन में झंडा उठाए हैं। आज वो लोग अविमुक्तेश्वरानंद के पक्ष में खड़े हैं जिन्होंने कुछ दिन पूर्व मद्रास हाईकोर्ट के जज के खिलाफ महाभियोग चलाने के प्रस्ताव का समर्थन कर दिया था क्योंकि उस जज ने हिन्दू पक्ष को दीपक जलाने की अनुमति दे दी थी। आज वो हिन्दू सनातन की दुहाई दे रहे हैं जिनहें गाय के गोबर से बदबू आती है। बांग्लादेश में निर्दोष हिन्दुओं की हत्याएं पर पूरा इंडी गठबंधन मौन हो गया। सनातन को अपमानित करने में समाजवदियों ने कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। यह समाजवादी रामचरित मानस व गीता को अपमानित करते हैं, इनके विधायक व कार्यकर्ता पवित्र ग्रंथ रामचरित मानस को फाड़ते और जलाते हैं। आज यही लोग शंकराचार्य की आड़ लेकर हिंदू समाज को बांटने की साजिश कर रहे हैं। प्रयागराज में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंटोगे तो कटोगे का नारा दिया था जिससे समाजवादी व कांग्रेसी काफी परेशान थे कि अगर कहीं हिन्दू पूरी तरह से एकजुट हो गए तो उनकी राजनीति समाप्त हो जाएगी, इसलिए प्रयागराज की धरती पर ही हिन्दू समाज को बांटने की रणनीति बनाई गई और पीडीए की राजनीति करने वाले लोगों ने माघ मेला के पवित्र अवसर को चुना। आम जनमानस की स्मृति बहुत कमजोर होती है और उसे जातीय आधार पर विभाजित किया जा सकता है। इन सभी दलों को यह भी पता है कि जब तक ब्राह्मण समाज व समस्त सवर्ण समाज को विभाजित और भाजपा के प्रति उनके मन में निराशा के भाव नही पनपा जाते हैं तब तक भारतीय जनता पार्टी का विजय रथ उत्तर प्रदेश में रोकना असंभव है। समाजवादी पार्टी को पता है कि जब तक हिन्दू धर्म को किसी बड़े विवाद के माध्यम से विभाजित नहीं किया जाएगा तब तक उनका पीडीए शक्तिहीन रहेगा। यही कारण हैं कि जब टीवी चैनलों पर रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर चर्चा हो रही थी तब शंकराचार्य की आड़ हिन्दू धर्म में दरार डालने वाली बहस हो रही है।

अजित पवार के जाने के बाद का गुणा-भाग

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बुधवार सुबह बारामती में एक विमान हादसे में निधन हो गया। उनके यूं इस तरह चले जाने से समूचा देश स्तब्ध है। वहीं महाराष्ट्र की राजनीति में भी नए सवाल खड़े हो गए हैं। क्योंकि अजित पवार महाराष्ट्र की राजनीति का एक ऐसा किरदार थे, जिनसे आप असहमत हो सकते हैं, उनके तौर-तरीकों से नाराज हो सकते हैं, उनके समर्थक और मुरीद हो सकते हैं, लेकिन उन्हें उपेक्षित नहीं कर सकते। अजित पवार का सियासी सफर काफी दिलचस्प था। हर दिग्गज नेता की तरह उनकी भी महत्वाकांक्षा शीर्ष पद पर पहुंचने की थी, यानी महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना उनका सपना था, जो अब अधूरा रह गया है। अजित पवार मुख्यमंत्री तो एक बार भी नहीं बन पाए, लेकिन छह बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बनने का रिकार्ड उनके नाम हैं। इसके अलावा कांग्रेस, शिवसेना, भाजपा के मुख्यमंत्रियों के साथ वे अलग-अलग मंत्री पद पर भी रहे। इसलिए कहा जाता है कि अजित पवार सत्ता में हमेशा ही बने रहे।अपने चाचा शरद पवार की ऊंगली थामकर अजित पवार ने राजनीति शुरु की, लेकिन बाद में उनसे अलग होकर अपना दबदबा भी दिखाया। 22 जुलाई 1959 को जन्मे अजित पवार महज 23 साल की उम्र में कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री के बोर्ड में शामिल हो गए थे। इसके बाद 1991 में वे पुणे सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष बने और 16 सालों तक इस पद पर काबिज रहे। वे 1991 में ही बारामती से पहली बार सांसद चुने गए। लेकिन अपने चाचा शरद पवार के लिए उन्होंने सीट खाली की, इसके बाद 1995 में बारामती से विधानसभा चुनाव लड़ा और जीते फिर 1999, 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 में लगातार विधायक बने रहे।शरद पवार के साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को खड़ा करने और उसे महाराष्ट्र की अग्रणी पार्टियों में शुमार करने में अजित पवार का बड़ा हाथ रहा। लेकिन इस बीच शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के भी राजनीति में सक्रिय होने के बाद अजित पवार अपनी उपेक्षा का दर्द जाहिर करते रहे। एक बार उन्होंने यहां तक कहा था कि अगर मैं शरद पवार का बेटा होता तो मुख्यमंत्री बन जाता। हालांकि चाचा-भतीजे के बीच सीधी तकरार 2022 में देखने मिली। जब अजित पवार ने शरद पवार से अलग होकर अपनी राजनीतिक लकीर खींची और भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। हालांकि हाल ही में संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आए और खबरें थीं कि चाचा-भतीजा के साथ आने से भाजपा को काफी तकलीफहै।

लेकिन नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी को बड़ा झटका लगा और उसके कई गढ़ हाथ से निकले भी। इसके बाद अजित पवार जिला पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटे थे। लेकिन उनकी मौत के साथ ही उनकी तैयारियां भी अधूरी रह गईं। करीब 4 दशकों के सियासी सफर में एक बार सांसद और सात बार विधायक रहे अजित पवार ने राज्य सरकार में कई अहम मंत्री पद संभाले। 2010 में वे पहली बार उपमुख्यमंत्री बने और फिर छह बार इसी पद पर काबिज हुए। 2019 में तो दो अलग-अलग मुख्यमंत्रियों के अधीन उन्होंने उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। 23 नवंबर 2019 की सुबह उन्होंने देवेंद्र फड़नवीस के साथ उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। लेकिन, सदन में फड़नवीस बहुमत साबित करने में नाकाम रहे। इसके बाद उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री की शपथ ली तो उन्हें एक बार फिर उपमुख्यमंत्री बनाया गया। आखिरी बार 2024 में वो एक बार फिर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बने और उनकी मौत इसी पद पर बने रहते हुए हो गई।सिंचाई घोटाले से लेकर अपनी पार्टी को तोड़ने और भाजपा से हाथ मिलाने जैसे कई विवाद अजित पवार के साथ चस्पां रहे। अब उनकी मौत पर भी सवाल उठ रहे हैं। दरअसल तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संकेत दिया कि अजित पवार महायुति गठबंधन से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए इस हादसे के पीछे कोई साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा- श्आज जो हुआ, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच ही विश्वसनीय होगी। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है, किसी अन्य एजेंसी पर नहीं।श् उन्होंने आरोप लगाया कि जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने भी कहा है कि राजनीति में स्पष्ट बोलने की कीमत चुकानी होती है, पता नहीं अजित पवार को कितनी चुकानी पड़ी होगी। गौरतलब है कि कांग्रेस, एनसीपी और आरजेडी भी विमान हादसे की जांच की मांग कर रहे हैं। खबर ये भी है कि पिछले महीने नगरीय निकाय चुनावों के प्रचार में अजित पवार ने भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। अजित पवार ने 1995 से 1999 के बीच शिवसेना-भाजपा की संयुक्त सरकार में मराठवाड़ा में सिंचाई परियोजना में कथित भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए भाजपा पर आरोप लगाए थे और यहां तक कहा था कि उनके पास इसकी मूल फाइलें हैं। बता दें नगरीय निकाय चुनावों में एनसीपी ने भाजपा से अलग होकर चुनाव लड़ा था। भाजपा की तरफ से मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने दोस्ताना मुकाबले की पहल की थी, लेकिन अजित पवार ने इसे स्वीकार नहीं किया था। वहीं इन चुनावों में उन्होंने अपने चाचा शरद पवार से हाथ मिला लिए थे। हालांकि एनसीपी के एक साथ आने के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ और भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी। इसके बाद से कयास थे कि अजित पवार फिर से शरद गुट में शामिल हो सकते हैं, क्योंकि वे अपना अलग दमखम भी अब तक दिखा चुके थे। लेकिन महायुति टूटती या एनसीपी एक होती, इससे पहले ही अजित पवार का आकस्मिक निधन हो गया। अब महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से सियासी समीकरण बदलने के संकेत हैं। एक तो बारामती से विधानसभा सीट खाली हो गई है, जिसमें अब पवार परिवार से किसे मौका मिलता है, यह देखना होगा। पिछले चुनाव में तो अजित पवार ने अपने ही भतीजे युगेन्द्र पवार को हराया था, जो शरद गुट में थे। लेकिन अब क्या भाजपा पवार परिवार के गढ़ में सेंधमारी की कोशिश करेगी, ये देखना होगा।

मेष:- प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष:- किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन:- नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क:- काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह:- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या:- कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला:- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक:- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्टा करें। आलस्य त्यागें।

धनु:- संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर:- कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ:- अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन:- थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी-बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

आई.टी.सी. रिफंड, 'पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट' में अहम कड़ी गायब

डा. अमृत सागर मित्तल

22 सितम्बर, 2025 से जी.एस.टी. दरों में सुधार से आम आदमी को महंगाई से राहत व कारोबारियों के लिए टैक्स सिस्टम और अधिक सरल हुआ है। उद्योगों को इनपुट टैक्स क्रैडिट (आई.टी.सी.) के डिजिटल रिफंड तेज हुए। केंद्र के इन सुधारों को उन राज्यों का समर्थन मिला, जहां मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर मजबूत है। इस दौरान पंजाब ने भी शासन सुधारों की पहल करते हुए 8 अक्तूबर, 2025 को 'पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट 2025' नोटिफाई किया, इसके अलावा क्लस्टर आधारित नई औद्योगिक नीति के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान व उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की पहल पंजाब के मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर की मजबूती का संकेत हैं, पर पंजाब की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनैस' की यह पूरी कवायद तभी असरदार साबित होगी, जब पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट 2025 में आई.टी.सी. रिफंड को भी शामिल किया जाए। रिफंड में देरी के कारण हजारों एम.एस.एम.ई. की वर्किंग कैपिटल लंबे समय से सरकार के पास अटकी है। आई.टी.सी. रिफंड को पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट, 2025 में शामिल करने से पंजाब की उद्योग-हितैषी मंशा कागजी कार्रवाई से आगे टिकाऊ औद्योगिक विकास में तबदील होगी। पंजाब का मैन्युफैक्चरिंग सैक्टर इंजीनियरिंग गुड्स, ऑटो कंपोनैंट्स, टैक्सटाइल और गारमैंट्स, साइकिल, प्लास्टिक, रबड़, केबल और खेलों के सामान से जुड़े हजारों एम.एस.एम.ई. पर टिका है। ये छोटे कारोबारी स्टील, पॉलिमर, रबड़, प्लास्टिक और इलैक्ट्रिकल इनपुट जैसे कच्चे माल पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. देते हैं, जबकि इनके तैयार माल पर 5 प्रतिशत जी.एस.टी. लगता है। इस 'इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर' यानी कच्चे माल पर अधिक टैक्स व तैयार माल पर कम टैक्स के बीच का अंतर कारोबारियों को रिफंड या एडजस्ट करने का जी.एस.टी. कानून में स्पष्ट प्रावधान है। आई.टी.सी. रिफंड में 6 महीने से लेकर 1 साल की देरी के कारण कारोबारियों की वर्किंग कैपिटल फंसने से उन्हें महंगे ब्याज पर कर्ज उठाकर श्रमिकों की मजदूरी, बिजली के बिल, कच्चे माल की खरीद करनी पड़ती है या वे उत्पादन घटाने को मजबूर हैं। आई.टी.सी. रिफंड में देरी की दोहरी कीमत कारोबारियों को चुकानी पड़ रही है। पहली-नकदी संकट, जो एम.एस.एम.ई. को महंगे वर्किंग कैपिटल लोन की ओर धकेलता है। दूसरा-प्रतिस्पर्धा में गिरावट। देरी से मिलने वाले रिफंड के कारण उत्पादन पर लागत बढने से पंजाब के कारोबारी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व हरियाणा जैसे राज्यों के उद्योगों से पिछड़ रहे हैं, जहां आई.टी.सी. रिफंड प्रक्रिया तेज है। जी.एस.टी. दरें व स्लैब घटाए जाने के बाद रिफंड के दावे बढने से समस्या और गंभीर हो गई है। अगर इसे जल्द नहीं सुलझाया गया, तो जो मसला अभी सिर्फ रिफंड में देरी का है, एक बड़ी औद्योगिक मंदी का रूप ले सकता है। पंजाब राइट टू बिजनैस (संशोधन) एक्ट 2025, लगभग 19 औद्योगिक मंजूरियां 5 से 18 दिन में देने का दावा करता है। लेकिन कारोबार को आसान बनाना सिर्फ नए प्रोजैक्टस को मंजूरी तक सीमित नहीं है। मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए कैश फ्लो सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है, जितना नए निवेश को तेज मंजूरी। अगर कानूनी प्रावधान के बावजूद आई.टी.सी. रिफंड लंबे समय तक लटके रहें तो कारोबार में सरकार के सुधार एजैंडे की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं। समय पर आई.टी.सी. रिफंड कोई रियायत या सबसिडी नहीं, बल्कि यह कारोबारियों का कानूनी अधिकार है।

गला काट प्रतिस्पर्धा के युग में उद्योगों के हालात ऐसे नहीं हैं कि वे सिस्टम की लापरवाही को लंबे समय तक अपने कंधों पर ढो सकें। जब केंद्र सरकार रिफंड से संबंधित दस्तावेज के आधार पर रिस्क एसैसमैंट प्रोसैस 7 से 15 दिनों के भीतर निपटाकर बनते रिफंड का 90 प्रतिशत दे रही है, तो पंजाब का जी.एस.टी. विभाग ऐसा क्यों नहीं कर सकता? इसका रोडमैप तीन मजबूत स्तंभों पर टिका है। पहला, कानूनी समय-सीमा व जवाबदेही। पंजाब को आई.टी.सी. रिफंड के लिए केंद्र सरकार की तर्ज पर 10-15 दिन की कानूनी समय-सीमा तय करनी चाहिए। तय अवधि में रिफंड पर कोई आपत्ति न होने पर इसे डीम्ड अप्रूवल माना जाए। रिफंड में 60 दिन से अधिक की देरी पर सी.जी.एस.टी. एक्ट की धारा 56 के तहत कारोबारियों को रिफंड राशि पर ब्याज मिले, ताकि जी.एस.टी. विभाग की प्रशासनिक जवाबदेही तय हो व उद्योगों को कैश फ्लो संकट से बचाया जा सके। दूसरा, डिजिटल-फर्स्ट व बगैर रुकावट प्रोसैस। जी.एस.टी. प्रोसैस पूरी तरह डिजिटल होने के बावजूद, विभाग द्वारा बार-बार स्पष्टीकरण मांगे जाने से रिफंड अटक जाते हैं। जी.एस.टी.एन. से जुड़े ए.आई.-आधारित ऑटो-वैलिडेशन टूल्स की मदद से पंजाब का जी.एस.टी. विभाग भी इनपुट-आऊटपुट टैक्स की जांच कर फर्जी आई.टी.सी. रिफंड रोक कर ईमानदार करदाताओं को बेवजह परेशानी से बचा सकता है। कारोबारियों की रिफंड संबंधी समस्या के तुरंत समाधान के लिए आई.टी.सी. रिफंड समघ्पत सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएं। तीसरा, कैश फ्लो पर केंद्र व राज्य का तालमेल। चूंकि रिफंड जी.एस.टी. पूल से दिए जाते हैं, इसलिए पंजाब को केंद्र के साथ नकदी प्रबंधन पर तालमेल रखना चाहिए। वित्त विभाग, जी.एस.टी. अधिकारियों और उद्योग प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक स्थायी संयुक्त कार्य समूह बनाया जा सकता है, जो लंबित मामलों पर नजर रखे, कैश फ्लो संतुलित करे, ताकि प्रोडक्शन पर असर पडने से पहले ही संकट रोका जा सके। आई.टी.सी. रिफंड में अड़चन दूर करना कोई रियायत नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था में एक जरूरी सुधार है। पंजाब राइट टू बिजनैस एक्ट-2025 में समयबद्ध आई.टी.सी. रिफंड को शामिल करने से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनैस' सिर्फ एक नारा नहीं रह जाएगा, बल्कि सरकार के प्रति कारोबारियों का भरोसा मजबूत करेगा। (लेखक कैबिनेट मंत्री रैंक में पंजाब इकोनॉमिक पॉलिसी एवं प्लानिंग बोर्ड के वाइस चेयरमैन भी हैं।)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज में कैरियर काउंसिल मेले का आयोजन

सीतापुर। जजौर स्थित पीएम श्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज में बुधवार को कैरियर काउंसिल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र छात्राओं को कैरियर से जुड़े विभिन्न विकल्पों की जानकारी देकर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्गदर्शन करना रहा। कैरियर काउंसिल मेले का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) पवन सिंह चौहान एवं क्षेत्रीय विधायक मनीष रावत द्वारा किया गया। बताते चलें कि जजौर में मेले में छात्र-छात्राओं ने अपने आगामी कैरियर से संबंधित विभिन्न विषयों पर स्टॉल लगाए, जिनमें चिकित्सा, इंजीनियरिंग, प्रशासनिक सेवाएं, तकनीकी शिक्षा, सेना, पुलिस सहित अन्य क्षेत्रों की जानकारी प्रदर्शित की गई। विद्यार्थियों ने स्वयं स्टॉल के माध्यम से अपने लक्ष्य एवं कैरियर योजनाओं को प्रस्तुत किया, जिसे अतिथियों ने सराहा।कार्यक्रम के दौरान अन्य विद्यालय से आए प्रधानाचार्य व शिक्षकों द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं, शैक्षिक पाठ्यक्रमों तथा सरकारी व निजी क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और सही मार्गदर्शन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कैरियर काउंसिल मेले में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रधानाचार्य नरेंद्र प्रताप तिवारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण में सहायता मिलती है।इसके साथ ही विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों व कंपनियों ने भी अपने-अपने स्टॉल लगाकर विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन प्रदान किया। वीएलसीसी स्कूल ऑफ ब्यूटी, इंदिरा नगर (ट्रेनिंग सेंटर) की ओर से एमएस सिमरन, जूट आर्टिजंस गिल्ड एसोसिएशन की सचिव अंजली सिंह, इंडियन पैकिंग इंस्टीट्यूट लखनऊ से अंधुमन सिंह तथा महेंद्राज स्किल्स ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांच हेड अंकुर सेठ ने स्टॉल लगाकर छात्र-छात्राओं को विभिन्न कोर्स, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं रोजगार संभावनाओं की जानकारी दी इस अवसर पर गांधी इंटर कॉलेज सिधौली के प्रधानाचार्य के. के. सिंह एस आर. के.पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डॉ विनय मोहन , सी ओ कपूर कुमार ,मनीष रावत, पवन सिंह, व विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र प्रसाद तिवारी भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित सिंह प्रधान विनोद दीक्षित मुन्ना पांडे संजय सिंह सहित शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, कई क्षेत्राधिकारियों की जिम्मेदारी बदली

विशाल गुप्ता संभालेंगे मिश्रित का प्रभार, होली परिक्रमा मेला-2026 की सुरक्षा का होगा जिम्मा

सीतापुर। पुलिस प्रशासन ने जिले की कानून व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए क्षेत्राधिकारियों के कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इस प्रशासनिक फेरबदल के तहत कई अधिकारियों को नई तैनाती देते हुए उनकी जिम्मेदारियों का दायरा भी बढ़ाया गया है। पुलिस महकमे द्वारा जारी नई सूची के अनुसार, अब फील्ड से लेकर मुख्यालय तक की कमान नए चेहरों के हाथ में होगी। आलोक प्रसाद को अब क्षेत्राधिकारी लहरपुर की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। लहरपुर के साथ-साथ वे यातायात, यूपी-112 और 'जीरो फैटालिटी डिस्ट्रिक्ट' से जुड़े समस्त महत्वपूर्ण कार्यों और दायित्वों का पर्यवेक्षण भी करेंगे। वहीं, नेहा त्रिपाठी को क्षेत्राधिकारी सदर/आर.ओ.टी.सी. के पद पर तैनात किया गया है, जिससे शहर की सुरक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

मिश्रित में विशाल गुप्ता की तैनाती, चुनौतियों का अंबार

मिश्रित क्षेत्र की कमान अब विशाल गुप्ता के हाथों में होगी। उनकी यह नई तैनाती काफी अहम मानी जा रही है क्योंकि उनके पास न केवल मिश्रित तहसील का प्रभार होगा, बल्कि आगामी होली परिक्रमा मेला-2026 की सुरक्षा और व्यवस्था का बड़ा जिम्मा भी उन्हीं पर रहेगा। इसके अतिरिक्त वे पुलिस कार्यालय, महिला सहायता प्रकोष्ठ, एंटी रोमियो स्क्वाड और जनसुनवाई जैसे कई महत्वपूर्ण विभागों के कार्यों की निगरानी भी करेंगे। इस बड़े बदलाव से उम्मीद की जा रही है कि जिले में अपराध नियंत्रण और जनसुनवाई की प्रक्रिया में और अधिक तेजी आएगी।

सीतापुर डीएम का काफिला आपस में टकराया, गनर घायल

➲ डीएम पूरी तरह सुरक्षित लहरपुर तहसील क्षेत्र में मची अफरा-तफरी, तीन वाहन हुए क्षतिग्रस्त

सीतापुर। बुधवार की सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होने से बाल-बाल बच गया जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर का काफिला जब नवाब नगर गांव के निरीक्षण के लिए निकला था, तभी लहरपुर तहसील क्षेत्र में काफिले की गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। गनीमत रही कि इस टक्कर के बावजूद जिलाधिकारी पूरी तरह सुरक्षित हैं, हालांकि उनके गनर को चोटें आई हैं।हादसे की मुख्य वजह अचानक ब्रेक लगाना बताया जा रहा है। जैसे ही काफिले की एक गाड़ी ने ब्रेक मारा, पीछे चल रहे वाहन संतुलन नहीं बना सके और एक के बाद एक तीन गाड़ियां आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी तेज थी कि वाहनों को आंशिक रूप से क्षति पहुंची है। घटना के बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और घायल गनर प्रदीप कुमार को उपचार के लिए भेजा, जिनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

आज तहसील नजीबाबाद ब्लॉक में दिनांक 28 2.2026 को एसआईआर संबंध में ब्लॉक नजीबाबाद में नायाब तहसीलदार ममता यादव द्वारा अभियान चलाया गया

बिजनौर। क्षेत्र के सभी गांव वासियों को नागरिक व्यक्तियों को सभी को सभी को बुलाकर sir फॉर्म जमा करने के लिए कहा गया जो कोई बहन भाई बूडे बुजुर्ग आदि व्यक्ति रह गए हो वह sir फॉर्म नजीबाबाद ब्लॉक में जमा कराए और अपने ग्राम पंचायत या बीएलओ द्वारा किसी भी व्यक्ति का कोई फॉर्म छुट्टा हो वह अपने BLO से जानकारी लेकर सही कर ले और फॉर्म भरकर ब्लॉक नजीबाबाद में जमा कर दे यह अभियान सरकार द्वारा चलाया जा रहा है पूरे उत्तर प्रदेश में जोर शोर से कार्य चल रहा है नजीबाबाद तहसील में ब्लॉक में नायब तहसीलदार ममता यादव जी द्वारा जमा कराए गए साथ में रहे स्टाफ बाल विकास परियोजना नजीबाबाद नौबार सिंह सिंचाई विभाग नजीबाबाद मोहम्मद रिजवान राहुल आदि स्टाफ मौजूद रहा।

जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं का ट्रैकिंग रजिस्टर का भी किया अवलोकन

सीतापुर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने आज प्राथमिक विद्यालय नवाबनगर, विकास क्षेत्र लहरपुर में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र में वी0एच0एस0एन0डी0 सत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ए0एन0एम0 से वार्ता करते हुये वैक्सीनेशन की जानकारी ली एवं वी0एच0एच0एन0डी0 सत्र के दौरान लगायी जाने वाली वैक्सीन को देखा। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्री से वार्ता करते हुये स्वास्थ्य सामग्री की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने एच0आर0पी0 रजिस्टर को देखते हुये कमियां मिलने पर ए0एन0एम0 प्रियंका वर्मा पर अनुशासनिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। ड्यू लिस्ट का अवलोकन किया, जिसमें ड्यू लिस्ट में कमियां पाये जाने पर ए0एन0एम0 का आज का वेतन काटनें के निर्देश संबंधित को दिये। साथ ही ए0एन0एम0 से मरीजों का फीडबैक जाना तथा हीमोग्लोबिन मीटर का भी देखा। आंगनबाड़ी कार्यकत्री से सैम एवं मैम बच्चों की जानकारी लेते हुये उन्हें दी जाने वाली दवाओं के बारे में भी जानकारी ली। जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं का ट्रैकिंग रजिस्टर का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सुरेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

युवतियों नें मारपीट का आरोप लगाकर हंगामा कटा, पुलिस से की धक्का-मुक्की

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद दरअसल रोडवेज चौकी पर उस समय जमकर हंगामा हो गया जब युवक के साथ एक युवती को पुलिस ने संदिग्ध लगने पर पकड़ लिया, युवती ने पुलिस पर बिना महिला पुलिस के ही मारपीट करने का आरोप लगाकर हंगामा कर दिया, पुलिस ने मामले में युवती उसकी सहेली सहित चार लोगों को हिरासत में लिया है, थाना कादरी गेट के बस अड्डा पर पुलिस ने एक युवक के साथ युवती को संदिग्ध लगने पर हिरासत में लिया, उन्हें लेकर वह बस अड्डा चौकी पर पहुंचे चौकी में अंदर घुसने को लेकर युवक-युवती के साथ पुलिस की जमकर धक्का मुक्की हो गई, जिससे चौकी का गेट भी टूट गया, युवती ने फोन करके अपनी सहेली को भी मौके पर बुला लिया, युवती कीसहेली ने मौके पर आकर घटनाक्रम का वीडियो बनाना शुरू किया जिससे पुलिस की नोकझोंक हो गई, पुलिस ने पकड़ी गई युवती की सहेली का मोबाइल छीन लिया, युवती ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बिना महिला पुलिस की मौजूदगी में उनके साथ मारपीट की जो कानूनी रूप से वैध नहीं है, हंगामा करने पर पुलिस ने फोन करके महिला पुलिस को मौके पर बुलाया, पकड़ी गयी युवती की माँ भी मौके पर आ गयी कुछ देर बाद थानध्यक्ष कादरी गेट कपिल कुमार व महिला थानध्यक्ष रक्षा सिंह भी मौके पर आ गयीं महिला थानध्यक्ष रक्षा सिंह नें युवती व उसकी सहेली के साथ ही पकड़े गये युवक कों भी धक्का मुक्की कर हिरासत में ले लिया वही कादरी गेट पुलिस नें युवक-युवती सहित चार कों हिरासत में ले लिया पुलिस मामले की जाँच कर रही हैं थानध्यक्ष कादरी गेट कपिल चौधरी नें बताया की मामले में युवक युवती कों संदिग्ध प्रतीत होने पर पकड़ा गया था, पुलिस नें उसे पकड़ा तो वह विवाद करने लगे, मामले में पुलिस की तरफ से मुकदमा दर्ज किया जा रहा हैं महिला पुलिस मौके पर मौजूद थी।

अभियान की बैठक हुई सम्पन्न

70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिक व अन्त्योदय कार्डधारक आयुष्मान भारत योजना हेतु पात्र

पीलीभीत। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति/100 दिवसीय सघन टी0वी0 मुक्त भारत अभियान की बैठक गांधी सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जननी सुरक्षा योजना में डिलीवरी एवं भुगतान, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सब सेंटर पर डिलीवरी की स्थिति, आशा भुगतान, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, प्रति सप्ताह दी जाने वाली आयरन, फोलिक एसिड सप्लिमेंट, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की क्रियाशीलता, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिए।बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुये कहा कि जनपद में 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि जनपद में पूरनपुर, अमरिया, बिलसण्डा, बरखेडा, बीसलपुर, न्यूरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा जिला अस्पताल में आयुष्मान मित्र तैनात है, जिनके द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जाता है। अन्त्योदय राशनकार्डधारक तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी जनपदवासी आयुष्मान कार्ड हेतु पात्र है। जिला अस्पताल के कमरा नम्बर 04 में पुरूष एवं कमरा नम्बर 19 में महिला लाभार्थी अपने आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए आधार कार्ड एवं अन्त्योदय राशनकार्डधारकों के लिए अन्त्योदय राशनकार्ड लाना अनिवार्य है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला अस्पताल में प्रत्येक सोमवार को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जाते हैं।

इसका अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, ट्राइसाइकिल एवं अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को जनपद को क्षय रोग से पूरी तरह मुक्त कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आलोक कुमार, जिला विकास अधिकारी, एआरटीओ, समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

थाना फूलबेहड़ पुलिस द्वारा, धर्म संपरिवर्तन अधिनियम में 01 नफर वांछित अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा द्वारा जनपद खीरी में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी धौरहरा के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रभारी निरीक्षक फूलबेहड़ के नेतृत्व में आज दिनांक 28.01.2026 को थाना फूलबेहड़ पुलिस द्वारा, मु0अ0सं0 09/2026 धारा 299 बीएनएस व 3/5(1) उ0प्र0 विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 में 01 नफर वांछित अभियुक्ता चन्द्रपती उर्फ रामचन्द्री निवासी ग्राम सुरजीपुरवा मजरा रामनगर खुर्द थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी को गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्ता को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर माननीय न्यायालय भेजा गया गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण चन्द्रपती उर्फ रामचन्द्री निवासी ग्राम सुरजीपुरवा मजरा रामनगर खुर्द थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम

1.उ0नि0 बालेन्द्र कुमार थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी
2.हे0का0 धन्नजय मौर्य थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी
3.म0का0 एकता देवी थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी

फर्स्ट स्टेप रिहैबिलिटेशन समिति द्वारा सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

लखनऊ। दिवस के अवसर पर फर्स्ट स्टेप रिहैबिलिटेशन समिति के तत्वाधान में निशातगंज आर्य कन्या चौराहे पर 10000 दिए जलाकर ऐसे क्रांतिकारी जो इतिहास के पन्नों में गुम हो गए हैं उनको याद किया तथा बच्चों के लिए सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी कराया गया संस्था के अध्यक्ष पंडित मनीष महाजन ने बताया कि संस्कृत प्रतियोगिता में नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आदर्श द्वितीय पुरस्कार अनिका तृतीय पुरस्कार गौरी कनौजिया ग्रुप डांस में प्रथम पुरस्कार यशी व आशी द्वितीय पुरस्कार स्टार राइजिंग ग्रुप तृतीय पुरस्कार सरिता कला प्रतियोगिता में विनय यादव प्रथम वैष्णवी द्वितीय सरिता तृतीय गायन प्रतियोगिता में भव्य दिशा रतन प्रथम शिवानी द्वितीय सदफ तृतीय निबंध प्रतियोगिता में आयशा प्रथम द्वितीय माहम अली तृतीय गौरांग ने प्रतियोगिता जीती जीने प्रमाण पत्र और सिल्ट देकर पुरस्कृत किया गया तथा सभी प्रतिभागी बच्चों को प्रमाण पत्र दे कर उनका हौसला बढ़ाया गया,,शाम को दिए जला कर दीपोत्स मनाया गया दीप उत्सव लखनऊ बार के पूर्व महामंत्री कुलदीप मिश्रा साथ दर्जनों अधिवक्ता भी मौजूद रहे सचिव शर्मिला महाराज ने बताया कि समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल जी ने दीप जला कर शुभारंभ किया कार्यक्रम में जूही सिंह दीपक रंजना जय सिंह जयंत शकील अहमद हाजी इशाक सिद्दकी देश राज यादव भारतीय जन जन पार्टी से राजित राम प्रजापति विनय अरविंद गुप्ता सर्वेश संजय उपाध्याय गोविंद कनौजिया रामेंद्र सिंह अवधेश विकी महाजन रोहित गुप्ता हरि प्रसाद रमेश कश्यप परवेज नीरज शुक्ला मोनिश खुर्शिद निशार हुसैन विकाश श्रीवास्तव आदि सैकड़ों लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

सिंधौली विधायक मनीष रावत ने विकास कार्यों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

सीतापुर। क्षेत्रीय विधायक मनीष रावत ने विकास कार्यों की कड़ी में ग्राम चंद्रेसुवा, ग्राम रानुवापारा एवं ग्राम अंबरपुर में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस अवसर पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बताते चलें कि सिंधौली भाजपा विधायक मनीष रावत ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़क एवं जल निकासी की बेहतर व्यवस्था बेहद आवश्यक है। सीसी रोड व नाली निर्माण से गांवों में आवागमन सुगम होगा तथा जलभराव की समस्या से भी निजात मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना है। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित सिंह बच्चे प्रसाद बाजपेई विनोद दीक्षित ग्राम प्रधान मुनेश्वर, रानुवापारा प्रधान मुन्ना पांडे अम्बर पुर प्रधान महेंद्र शुक्ला ,क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने विधायक मनीष रावत का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों से गांवों की दशा व दिशा में सकारात्मक बदलाव आएगा।

बारामती विमान हादसा महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार सहित जौनपुर की पिंकी माली का भी दर्दनाक निधन

महाराष्ट्र के पुणे जिले के बारामती में हुए भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दुर्घटना में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार (66) सहित विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब एनसीपी नेता अजित पवार और अन्य यात्री बारामती एयरपोर्ट के रनवे के पास क्रैश लैंडिंग के दौरान विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से इसकी चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की पिंकी माली भी शामिल थीं, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। फ्लाइट अटेंडेंट पिंकी माली केराकत तहसील के भैंसा गांव की रहने वाली थीं। उनके परिजनों के अनुसार पिंकी के चाचा शिव कुमार माली चार भाइयों में सबसे बड़े हैं। परिवार के मुखिया बाबू राम का पिछले वर्ष निधन हो गया था। पिंकी की शादी हो चुकी थी और पूरा परिवार मुंबई में ही निवास करता है। अपना दल (एस) के राष्ट्रीय सचिव पप्पू माली ने बताया कि पिंकी माली के पिता शिवकुमार माली राष्ट्रवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पिंकी से जुलाई में मुंबई में मुलाकात हुई थी। दुखद हादसे की खबर मिलते ही पूरे समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। पप्पू माली ने कहा कि यह घटना अत्यंत अविश्वसनीय और पीड़ादायक है। बारामती का यह विमान हादसा महाराष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश तक कई परिवारों को गहरे शोक में डुबो गया है। जांच टीमें घटना के कारणों की गहराई से पड़ताल कर रही हैं। मामले की जानकारी देते हुए चाचा चंद्रभूषण माली ने बताया कि पिंकी माली काफी होनहार बच्ची है थी अभी 2 महीने पहले घर पर आई थी हालांकि चाचा ने बताया कि पिंकी माली का शिक्षा दीक्षा मुंबई में ही रहा है पिंकी की शादी 4 साल पहले मुंबई में हुई थी जिसमें घरवाले सरीक भी हुये थे वही पिंकी की दादी मनराज जी देवी के आंखों में आंसू टपक रहे थे और कहां की पिंकी काफी सरल स्वभाव की थी व लाडली बच्ची थी।

पूर्व सचिव अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्रशांत कुमार सिंह का उनके प्रमोशन पर विदाई समारोह

आयोजित किया गया और नवागत सचिव श्री सुशील कुमार सिंह के आगमन पर उनका स्वागत डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल अनिल कुमार सिंह के डिफेंस काउंसिल प्रकाशतिवारी और अनुराग चौधरी असिस्टेंट डिफेंस काउंसिल जनपद न्यायालय जौनपुर एवं देवेंद्र कुमार यादव काउंसलर परिवार न्यायालय मृदुल कुमार यादव अधिवक्ता बृजेश कुमार सुनील कुमार मौर्य सुनील कुमार शिव शंकर सिंह राकेश कुमार यादव राजेश कुमार यादव अरविंद चौबे स्टेनो रूबी सिंह एवं अन्य कर्मचारियों के द्वारा किया गया। प्रोन्नति प्राप्त सचिन सर प्रशांत कुमार सिंह को पुष्प गुच्छ माला और शाल देकर सम्मानित किया गयाइस अवसर पर डॉक्टर दिलीप कुमार सिंह के द्वारा स्वागत भाषण और विदाई गीत प्रस्तुत किया गया।

अधिवक्ता एसोसिएशन ने यूजीसी कानून के समर्थन में उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बांगरमऊ, उन्नाव। तहसील परिसर में आज अधिवक्ता एसोसिएशन के सदस्यों ने एकजुट होकर यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) द्वारा प्रस्तावित नए कानूनों और सुधारों के समर्थन में अपनी आवाज बुलंद की। अधिवक्ताओं ने देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कानूनी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में यूजीसी के प्रयासों को ऐतिहासिक बताते हुए मा0 प्रधानमंत्री व शिक्षा मंत्री को संबोधित एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी (SDM) को सौंपा। एसोसिएशन के अध्यक्ष और पदाधिकारियों के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में कहा गया कि यूजीसी द्वारा लाए जा रहे नए नियम न केवल छात्रों के भविष्य के लिए हितकारी हैं, बल्कि इनसे कानूनी पेशे में आने वाले नए युवाओं को भी बेहतर प्रशिक्षण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी। अधिवक्ताओं ने निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष जोर दिया। यूजीसी के मानकों से उच्च शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता आएगी। देश की बदलती परिस्थितियों के अनुसार कानूनों और शैक्षिक ढांचे में बदलाव आवश्यक है। नए नियमों से कानूनी प्रैक्टिस की शुरुआत करने वाले छात्रों को बेहतर बुनियादी ढांचा मिलेगा।?ज्ञापन सौंपने के दौरान अधिवक्ता एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने तहसील परिसर में एक संक्षिप्त सभा को भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता समाज हमेशा न्याय और सही नीतियों के पक्ष में खड़ा रहा है।

यूजीसी के ये कदम भविष्य में एक सशक्त और शिक्षित भारत की नींव रखेंगे। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष सत्यपाल एडवोकेट, अनिल कुमार वर्मा एडवोकेट, योगेश लोधी एडवोकेट, सुनील कुमार एडवोकेट, रामसेवक पाल एडवोकेट, विनोद यादव सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

मंडावली थाना प्रांगण में शांति समिति बैठक का आयोजन

बिजनौर। आगामी त्यौहारों को लेकर मंडावली थाना प्रांगण में एक शांति समिति बैठक का आयोजन किया गया सभा की अध्यक्षता थाना प्रभारी राकेश कुमार ने की मुख्य अतिथि में ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल रहे थाना प्रभारी राकेश कुमार ने आगामी त्यौहार रविदास जयंती तथा कावड़ यात्रा को लेकर सभी क्षेत्रवासियों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की कहा कि त्योहारों को सौहार्द पूर्ण भावना से मनाए किसी प्रकार का कोई उपद्रव ना करें त्योहारों में किसी प्रकार की कोई अराजकता ना फहले यदि ऐसा पाया जाता है तो उनके प्रति दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी थाना प्रभारी ने कहा कि अनुशासित रहकर त्यौहारो की गरिमा बनाए रखें रविदास जयंती के बाद कावड़ यात्रा शुरू हो जायेगी तपराज सिंह देशवाल ने लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा की सभी लोग अपने धर्मों के अनुयाईयों का सम्मान करे उनके बताए मार्ग पर चले उनके द्वारा दी गई शिक्षाओं का अनुसरण करे त्योहारों मे शान्ति पूर्ण माहौल बना कर रखे ग्रामीणों ने भी अपने अपने विचार रखे इस बीच एस आई संजय यादव एस आई रामलखन एस आई देवपाल सिंह एस आई राहुल तेवतिया अनुज चौधरी साहबुद्दीन फरीद अहमद सुनील त्यागी भीम सेन हल्दीया नरपाल सिंह नसीम वाजिद मकरानी मुस्तफा आदि उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गए स्वतंत्रता सेनानी हरगोविंद सिंह

जफराबाद।स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उत्तर प्रदेश शासन में मंत्री रहे हरगोविंद सिंह की पुण्यतिथि बुधवार को हरगोविंद सिंह इंटर कालेज प्रांगण में बुधवार को मनाई गई। कालेज प्रांगण में स्थापित उनकी मूर्ति पर कालेज के प्रबन्धक अभिषेक सिंह गोल्डी,व प्रधानाचार्य डॉ संजीव कुमार सिंह सहित अन्य अतिथियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया।प्रधानाचार्य श्री सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हरगोविंद सिंह ने वकालत छोड़कर पूर्ण रूप से राष्ट्रसेवा का मार्ग अपनाया।स्वतंत्रता के पश्चात उत्तर प्रदेश शासन में भी उल्लेखनीय सेवाएँ दिया। वे 1946 में पं. गोविंद बल्लभ पंत के मंत्रिमंडल में।मंत्री पद पर बनाये गए।उसके बाद कई मुख्यमंत्रियों के मंत्रिमंडल में मंत्री रहे।अंत मे गृह मंत्री के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने 28 जनवरी 1967 तक प्रदेश की सेवा किया। कार्यक्रम में विनोद कुमार,वीना ,सुचित गौतम, सैयद अब्बाश, अजय कुमार, बसंत कुमार द्विवेदी, हिमांशु पांडेय, यशवंत पाल, अभिषेक सिंह, निलेश सिंह सहित अनेक शिक्षकगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जीरो पॉवर्टी के अंतर्गत चयनित लाभार्थियों को आवास, राशन कार्ड, उज्ज्वला, सामाजिक पेंशन आदि योजनाओं से करें आच्छादित

औरैया। जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने जूम मीटिंग के दौरान जीरो पावर्टी में चिन्हित लाभार्थियों को योजना से आच्छादित किए जाने के संबंध में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उन्हें प्रधानमंत्री/ मुख्यमंत्री आवास योजना, पत्र गृहस्थी योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना तथा सामाजिक पेंशन योजना से एक सप्ताह के अन्दर आवश्यक कार्यवाही करते हुए योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के संबंध में जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिए कि पंचायत घर में रंगाई, पुताई, विद्युतीकरण, फर्नीचर उपलब्धता आदि को पूर्ण कराते हुए डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना कराना सुनिश्चित करें साथ ही ग्रामवार उनकी डिजिटल डायरी भी उपलब्ध करायें। जिलाधिकारी ने पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जनपद में संचालित समस्त गौआश्रय स्थलों तथा वृहद गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगवायें तथा उनकी निगरानी स्थापित कंट्रोल रूम के माध्यम से कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान की अपेक्षित प्रगति पर लक्षित न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कृत्रिम गर्भाधान संबंधी विवरण प्रतिदिन पोर्टल पर अपलोड कराते हुए उत्तरोत्तर प्रगति के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री में अब तक पंजीकृत किसानों की राजस्व ग्राम के अनुसार तहसील वार सूची उपलब्ध कराने तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे में लंबित अनुमोदनों को समय से आवश्यक कार्यवाही कर निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए। जिला कृषि अधिकारी ने उर्वरक की उपलब्धता से अवगत कराते हुए बताया कि जनपद में फसल वार पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है तथा आवश्यकता के अनुसार मांग पत्र प्रेषित करते हुए समय-समय पर अतिरिक्त उर्वरक भी प्राप्त की जा रही है। जिलाधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में निर्मित निर्माणाधीन अमृतसर सरोवरों की सूची उपलब्ध करायें साथ ही शासनादेश के अनुसार अवशेष कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद में आयुष्मान कार्ड हेतु पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर उनके आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित करें इस कार्य हेतु ग्राम स्तर पर कार्यरत कार्मिकों की भी सहायता लेते हुए लक्ष्य पूर्ण करायें। उन्होंने एनआरसी सेन्टर में क्योर रेट तथा बैडअक्यूपेन्सी शत-प्रतिशत रहने तथा वीएचएसएनडी की रैंकिंग में सुधार लाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने धान खरीद, विश्वकर्मा सम्मान,सीएम युवा, ओडीओपी, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, अपशिष्ट प्रबंधन, डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, दिव्यांग, विधवा, वृद्धावस्था पेंशन आदि के लंबित प्रकरणों को निर्धारित समय-सीमा के अन्तर्गत निस्तारित किए जाने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्नाव पुलिस ऑपरेशन मुस्कान

CEIR पोर्टल की सहायता से उन्नाव पुलिस द्वारा 101 गुमशुदा मोबाइल (मूल्य करीब 21 लाख रुपये) को किया गया बरामद, खोए हुए मोबाइलों को उनके धारकों को किया गया सुपुर्द श्रीमान पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के आदेश के क्रम में एवं श्रीमान पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन लखनऊ व श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रेंज लखनऊ के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उन्नाव श्री जय प्रकाश सिंह, द्वारा Dept. Of Telecomm Ministry O f Communications, Govt. Of India के द्वारा विकसित किये गये ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल को संचालित कराने हेतु प्रत्येक थाने पर टीम बनाकर थाने पर प्राप्त होने वाली मिसिंग मोबाइल की एप्लीकेशन सीईआईआर पोर्टल पर अपलोड कराने व बरामद कराने हेतु आदेशित किया गया था। श्री अखिलेश सिंह अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी एवं श्री प्रेमचंद अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी के कुशल पर्यवेक्षण में सर्विलांस सेल एवं समस्त थानों की संयुक्त टीम द्वारा CEIR पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों से संबन्धित गुमशुदा हुए 101 मोबाइल (एंड्रॉएड सेट भिन्न-भिन्न कम्पनियों के) कीमत लगभग 21,00,000/- रु0 के मोबाइल फोन बरामद किये गये। पुलिस अधीक्षक उन्नाव द्वारा गुमशुदा मोबाइलों के सम्बन्ध में समय-समय पर समस्त थानों एवं सर्विलांस टीम को शत-प्रतिशत बरामदगी के लिए कड़े निर्देश दिये गये थे, जिसके अनुपालन में उपरोक्त मोबाइल फोनों को भिन्न-भिन्न स्थानो से बरामद किया गया। आज दिनांक 28.01.2026 को बरामद 101 मोबाइल फोन को संबन्धित मोबाइल स्वामियो को सुपुर्द किया गया।

आवादी की जमीन को लेकर हुई हवाई फायरिंग

जौनपुर। केराकत कोतवाली के कोनिया गांव के यादव बस्ती में जमीनी विवाद में हवाई फायरिंग हुई और लाठी डंडे चले जिसमें दूसरे पक्ष से मनोज यादव घायल हो गये है। पुलिस के अनुसार कोनिया गांव के यादव बस्ती में मुन्ना यादव और सत्यदेव यादव के बीच आवादी जमीन को लेकर बहुत दिन से मुकदमा चल रहा था मुन्ना बुध्दवार के दिन नीव खोद कर मकान बनवाना चा रहे थे कि सत्यदेव के तरफ से विरोध किया गया विरोध में बात इतनी बढ़ गयी कि मुन्ना के तरफ से तीन चार राउन्ड हवाई फायरिंग कर दिया गया इसको देखते हुए दोनो तरफ से लाठी डंडा भी चला जिससे सत्यदेव के भाई मनोज को चोट आई सुचना पर केराकत कोतवाली व मुफ्तीगंज चौकी की पुलिस मौके पर पहुंच गयी मनोज को इलाज के लिए भेज।जाँच पड़ताल में जुटी।

नारी सुरक्षा/नारी स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति 5.0 का प्रारम्भ किया गया

औरैया। मुख्यमंत्री महोदय उ0प्र0 सरकार द्वारा बालिकाओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा/नारी स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति 5.0 का प्रारम्भ किया गया। जिसके क्रम में श्रीमान पुलिस महानिदेशक महोदय, उत्तर प्रदेश व श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर के कुशल मार्गदर्शन, श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर के कुशल पर्यवेक्षण व पुलिस अधीक्षक औरैया के कुशल निर्देशन में औरैया पुलिस द्वारा महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा हेतु मिशन शक्ति 5.0 के तहत जनपद के विभिन्न थानों पर गठित महिला सुरक्षा दल व थाने पर नियुक्त महिला बीट पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्र के बीट, गांव, पंचायत भवन, प्रमुख चौराहों, बाजारों, बस स्टैण्ड, मन्दिर आदि स्थानों पर भ्रमण करते हुए बालिकाओं/महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा, सम्मान, शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी/महिला सशक्तिकरण योजनाओं एवं साइबर अपराध से बचाव आदि के सम्बन्ध में लगातार जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में जनपद औरैया पुलिस द्वारा बालिकाओं एवं महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- (1) 1076 मा0 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5) 108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन तथा 1078, 181, 112 आदि के बारे में विस्तारपूर्वक से अवगत कराया गया। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म (फेसबुक/ट्वीटर/इंस्टाग्राम आदि) का सावधानी पूर्वक इस्तेमाल करने हेतु बताया गया और महिला सम्बन्धी अपराधों की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया तथा जनकल्याणकारी योजनाओं व साइबर अपराधों के संबंध में जागरूक किया गया।

अभिभावक शिक्षा को लेकर बने जागरूकः बीईओ

जफराबाद।अभिभावकों को अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजना चाहिए।शिक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए।यह बातें बुधवार को स्थानीय कस्बे में स्थित प्राथमिक विद्यालय में निपुण भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं लक्ष्य प्राप्त हेतु आयोजित शिक्षा चौपाल में बतौर मुख्य अतिथि बीईओ सिरकोनी अमरेश कुमार सिंह ने कही। उन्होंने अपने संबोधन में अभिभावको से कहा कि आप बच्चों को कभी शिक्षा से विमुख नही होने दे।इसके अलावा सरकार से प्राप्त अनुदान से बच्चों को ड्रेस जूता मोजा स्वेटर खरीद कर बच्चों को अवश्य दें 7 उन्होंने अपने संबोधन में कहा की अध्यापकों के साथ-साथ अभिभावक की भी जिम्मेदारी होती है कि वह अपने बच्चों का उचित देखभाल करें और देखें कि हमारा बच्चा क्या पढ़ रहा है तथा विद्यालय में कितना पढ़ाया गया है और उसे कितना आता है।कार्यक्रम में अपने सम्बोधन में लक्ष्मीकांत सिंह ने कहा जब तक अभिभावक अपने बच्चों के प्रति सचेत नहीं होंगे तब तक बच्चों में शिक्षा की गुणवत्ता नहीं आ पाएगी 7 कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका श्रीमती छाया सिंह ने किया।कार्यक्रम में निवेदिता श्रीवास्तव मालविका सिंह अंजू सिंह नीता पाल, भरतलाल बरनवाल,संगीता मौर्य और मीना बरनवाल सहित अन्य अभिभावकगण उपस्थित रहे 7 कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मीकांत सिंह ने किया।

युवाओवके लिए प्रेरणास्रोत बने युवा संदीप कमाई से पैसे बचाकर स्कूल को दिए ढाई लाख

पुरवा। विकास खंड के ग्राम अढौली निवासी युवा संदीप सिंह युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं उनके कृत्य की सराहना हो रही है शिक्षित होकर जब कमाई करने लगे तो आमदनी का बड़ा हिस्सा अपने बचपन के विद्यालय को देकर जो मिशाल कायम की तारीफ - ए - काबिल है ।प्रबंधक ने पूर्व छात्र के पैसे से कमरे का निर्माण कराया और 77 वें गणतंत्र दिवस पर लोकार्पण भी कराया। युवा संदीप सिंह का ताल्लुक एक सामान्य परिवार से है उनके मन बचपन से ही अपने स्कूल के विकास का सपना था कारण जब वह पढ़ते थे तब विवेक बाल विद्या मंदिर की जर्जर हालत थी उन्होंने सपने को साकार किया आमदनी से बचाकर स्कूल को ढाई लाख दिए प्रबंधक रज्जन मिश्र ने कमरे का निर्माण करा कर छात्र संदीप को सौंपा बताते चलें कि राष्ट्रीय पर्व के मौके पर युवा संदीप सिंह कमरे का लोकार्पण कर विद्यालय परिवार के सुपुर्द कर दिया।अपने छात्र की खुले दिल से तारीफ करते हुए प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार शुक्ल ने कहा आज के युवाओं के लिए संदीप प्रेरणा श्रोत हैं लोकार्पण के मौके पर प्रधान डॉ संतोष दीक्षित, रामभरोसे सिंह,मोनू शुक्ल,सत्यप्रकाश शुक्ल, प्रदीप दीक्षित आदि मौजूद रहे।

सफीपुर में ई-रिक्शा पलटा चालक सहित पांच घायल

मोहसिन। बाइक सवार को बचाने के प्रयास में हादसा, मियागंज सीएचसी में भर्ती उन्नाव के आसीवन थाना क्षेत्र में लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग पर एक ई-रिक्शा पलट गया।

इस हादसे में चालक समेत पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को मियागंज सीएचसी में भर्ती कराया है। यह घटना बुधवार दोपहर करीब दो बजे बड़ा चौराहा के समीप हुई। ई-रिक्शा एक बाइक सवार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया।घायलों में हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के मौला बांकीपुर निवासी ई-रिक्शा चालक राकेश पुत्र भागीरथ शामिल हैं। उनके साथ जयपाल सिंह की पत्नी दिव्या सिंह (34), उनकी पुत्री पल्लवी (14), अन्नू की पत्नी उर्मिला सिंह (35) और उनके पुत्र आदि (15) भी घायल हुए हैं। ये सभी मियागंज आ रहे थे। मियागंज सीएचसी में डॉ. दिनेश कुमार ने दिव्या सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शेष घायलों का उपचार मियागंज सीएचसी में जारी है। पीकेट पर मौजूद पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की।

बेखौफ ईट भट्ठा संचालकों की मनमानी के डामर रोड कच्चे चकमार्ग में तब्दील

घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा

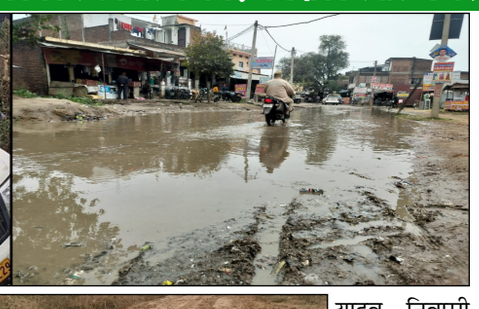

सीतापुर। इलाके की लिंक मार्गो पर स्थित बेखौफ ईट भट्ठा संचालकों की मनमानी के चलते नीलगांव मार्ग त्रिलोकपुर मार्ग रनुवापारा मार्ग मनवां मनवां डामर रोड कच्चे चकमार्ग में तब्दील हो गई है। बताते चलें कि मनवां मार्ग स्थित ईंट भट्ठे पर हो रही मिट्टी ठुलाई से सड़क पर जमा मिट्टी बीती रात हुई बारिश के चलते मनवा मार्ग पर सड़क पर भारी कीचड़ जमा हो गया, जिससे आवागमन करना मुश्किल हो गया। इसी कारण गुप्ता ईंट भट्ठा के पास एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में पिकअप चालक नीरज यादव निवासी बगहा तथा नरेश अवस्थी निवासी सूरजपुर घायल हो गए।वहीं स्कूल बच्चो सहित कई वाहनों को वापस लौटना पड़ा।घटना के बाद मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र भेजा। वहीं मनवा गांव के बाहर सड़क पर फैले कीचड़ के कारण एक निजी स्कूल की वैन भी पलट गई। गनीमत रही कि वैन में सवार बच्चों को कोई चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ईंट भट्ठों द्वारा सड़क पर मिट्टी फैलाए जाने और बारिश के बाद सफाई न होने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क की तत्काल सफाई कराए जाने व मिट्टी ढोने वाले वाहनों पर रोक लगाने की मांग की है।उधर सूचना पर पहुंचे मनवां चौकी प्रभारी राधेश्याम यादव ने ईंट भट्ठा मालिक को फटकार लगाते हुए सड़क को साफ करवाया। पीडब्ल्यूडी जेई आशीष ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है ईंट भट्ठा पर कार्रवाई की जाएगी।

खनन वर्चस्व की जंग में गोलियां चलीं, सिपाही भी चपेट में

उन्नाव । उन्नाव खनन के वर्चस्व को लेकर अचलगंज थाना क्षेत्र में देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ढाबे के सामने ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। इस फायरिंग की चपेट में एक सिपाही भी आ गया, जिसे छर्रे लगने की पुष्टि हुई है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फायरिंग की यह घटना अचलगंज थाना क्षेत्र के एक ढाबे के सामने हुई, जहां खनन से जुड़े वर्चस्व को लेकर पहले से तनाव बताया जा रहा है। आरोप है कि हमलावरों ने गोलू सिंह नाम के युवक की कार को निशाना बनाकर फायरिंग की। गोलियों की आवाज सुनकर आसपास के लोग दहशत में आ गए। घटना के समय मौके पर पुलिसकर्मी आशीष और शिवम यादव भी मौजूद थे। इसी दौरान एक सिपाही को छर्रे लग गए। हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायल सिपाही को प्राथमिक उपचार दिलाया गया। घटना के बाद पुलिस ने देर रात तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामला गंभीर है और खनन वर्चस्व से जुड़ा होने की आशंका है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फायरिंग जैसी वारदात से कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। खनन के नाम पर चल रही यह वर्चस्व की लड़ाई अब सीधे गोलियों तक पहुंच गई है, जिससे आम लोगों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रशासन के लिए यह मामला अब केवल आपराधिक नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था की बड़ी परीक्षा बन गया है।

सपने बहुत थे, पैसे नहीं- रानी मुखर्जी

एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने फिल्म

इंडस्ट्री में अपने 30 साल पूरे कर लिए हैं। बहुत कम उम्र में फिल्मों की दुनिया में कदम रखने वाली रानी आज भी अपने सफर को उसी ईमानदारी से देखती हैं। रानी मुखर्जी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म श्मर्दानी 3श् को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को दस्तक देगी। इसकी रिलीज से पहले अभिनेत्री ने हाल ही में उजाला से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने करियर, फैसलों और सीखों को लेकर खुलकर बात की। पढ़िए बातचीत के कुछ प्रमुख अंशरू '16 साल की उम्र में फिल्म का ऑफर मिला और मैं डर गई थी' 30 साल बाद आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे खुद हैरानी होती है कि मेरी जर्नी कितनी अलग रही है। पहली बार जब मुझे फिल्म जुगल हंसराज के अपोजिट श्आ गले लग जाश् का ऑफर मिला, तब मेरी उम्र सिर्फ 16 साल थी। उस वक्त मैं दसवीं क्लास में पढ़ती थी और सच कहूं तो मुझे यह सुनकर झटका लगा था। मैंने सलीम अंकल से कहा भी था कि आप ये क्या कह रहे हैं। 'उस दौर में फिल्मों में आना कोई सुरक्षित या सम्मानजनक करियर नहीं था' उस समय फिल्म इंडस्ट्री का माहौल आज जैसा बिल्कुल नहीं था। फिल्मों में आना कोई सम्मानजनक करियर नहीं माना जाता था। यह ऐसा पेशा नहीं था, जिसे कोई परिवार खुशी-खुशी अपनाए। आज हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज हर कोई अभिनेता बनना चाहता है और परिवार भी पूरा साथ देता है, लेकिन तब ऐसा नहीं था। 'मम्मी ने कहा था, मौका मिले तो कभी मना मत करना' जब मैं बारहवीं में आई, तब मुझे श्राजा की आएगी बारातश् का ऑफर मिला। मैंने यह फिल्म सिर्फ इसलिए स्वीकार की, क्योंकि मेरी मम्मी ने कहा था कि मौका कभी छोड़ना नहीं चाहिए। लेकिन मजेदार बात यह है कि जब मैंने स्क्रीन टेस्ट दिया, तो मेरी मम्मी खुद निर्माता सलीम अंकल के पास जाकर कह आई थीं कि मेरी बेटी बहुत खराब है, इसे मत लीजिए, इसे कुछ नहीं आता। लेकिन शायद किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। डायरेक्टर को पर्दे पर मेरा काम अच्छा लगा और सलीम अंकल को भी। मेरा चेहरा फोटोजेनिक है। वहीं से मेरी जर्नी शुरू हुई। उन्होंने मुझ पर जो भरोसा दिखाया, उसी भरोसे की वजह से आज मैं यहां तक पहुंची हूं। श्मैंने माता-पिता की जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूंश् मैं शुरू से ही थोड़ी अलग रही हूं। लोग मेरे बारे में क्या सोचते हैं, इसका असर मुझ पर ज्यादा नहीं पड़ता था। मेरी मम्मी ने साफकहा था कि अगर कुछ करना है, तो पूरे विश्वास के साथ करो। उस वक्त मेरा सबसे बड़ा फोकस मेरे माता-पिता थे। मैंने उनकी जिंदगी का स्ट्रगल देखा था, इसलिए बस यही चाह थी कि उन्हें एक बेहतर जिंदगी दे सकूं। उसी सोच में मेरे करियर के शुरुआती साल निकल गए। 'जब एहसास हुआ कि लोग मुझसे बेहतर काम की उम्मीद कर रहे हैं' फिर एक वक्त ऐसा आया जब मुझे एहसास हुआ कि मेरे फैंस मुझे बहुत प्यार करते हैं और मुझसे बेहतर काम की उम्मीद रखते हैं। तभी मुझे समझ आया कि मेरी जिम्मेदारी सिर्फ बेटी बनने की नहीं, बल्कि एक अभिनेता बनने की भी है। उसी मोड़ के बाद मैंने तय किया कि अब मुझे अच्छी कहानियां और मजबूत किरदार चुनने हैं। श्साथियाश् के बाद मेरी फिल्मों की दिशा पूरी तरह बदल गई। तभी मुझे लगा कि मैं सिर्फकाम नहीं कर रही, बल्कि अपने किरदारों के जरिए खुद को भी तलाश रही हूं। '17 साल की उम्र में सिर्फ शूटिंग होती थी, जिंदगी नहीं' मैंने 17 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। उस वक्त जब मैं शूटिंग के लिए जाती थी, तो पूरा ध्यान सिर्फकाम पर होता था। हम कई जगहों पर जाते थे, लेकिन वहां घूमना नहीं होता था, बस शूटिंग होती थी। सुबह से शाम तक काम, फिर वापस आकर खाना और सो जाना। मन में अक्सर आता था कि काश कभी ऐसा मौका मिले कि इन जगहों को ठीक से देख सकूं, महसूस कर सकूं, एन्जॉय कर सकूं। आज वो मौका मुझे मिलता है। अब जब मैं यात्रा करती हूं, तो वहां का खाना खा पाती हूं, वहां की संस्कृति को जी पाती हूं। 'पैसे भी नहीं होते थे, लेकिन सपने बहुत होते थे' पहले हालात ऐसे नहीं थे कि हम किसी अच्छे रेस्तरां में जाकर खाना खा सकें। आज वो आजादी है। कई बार ऐसा भी हुआ कि पैसे होने के बावजूद हम पहले अपने अपनों के लिए लेते हैं, अपने लिए नहीं। लेकिन आज जब पीछे देखती हूं, तो लगता है कि जिंदगी ने धीरे-धीरे मेरी वो सारी छोटी अधूरी इच्छाएं पूरी की हैं। शपहले मेरे माता पिता जो कहते वहीं करती .. लेकिन फिर नहींश् श्साथियाश् से करीब आठ महीने पहले तक मेरी कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली थीं। उस वक्त सोशल मीडिया नहीं था। लोग चिट्ठियां लिखते थे। मुझे बहुत सारी चिट्ठियां आती थीं। मेरे डैडी कहते थे कि इन्हें पढ़ो और समझो कि लोग क्या कहना चाहते हैं। उन चिट्ठियों में सिर्फ प्यार नहीं होता था, बल्कि ईमानदार राय भी होती थी। लोग बताते थे कि कौन-सी फिल्म क्यों पसंद नहीं आई और क्या बेहतर हो सकता था। तभी मुझे पहली बार एहसास हुआ कि एक एक्टर के तौर पर मेरी कितनी बड़ी जिम्मेदारी है। तब तक मैं अपने फैसले खुद नहीं ले रही थी। जो मेरे माता-पिता कहते थे, वही करती थी। लेकिन उसी वक्त मैंने तय किया कि अब मुझे खुद सोचकर फैसले लेने होंगे। मैंने मम्मी-पापा से कहा कि कुछ समय तक मैं कोई फिल्म साइन नहीं करना चाहती। 'पहली बार पूरी स्क्रिप्ट हाथ में आई और सब कुछ बदल गया' उसी दौरान मुझे श्मुझसे दोस्ती करोगेश् का ऑफर मिला। पहली बार मेरे हाथ में पूरी बाउंड स्क्रिप्ट आई। उसे कहानी की तरह पढ़ना मेरे लिए बिल्कुल नया अनुभव था। तभी मुझे समझ आया कि मुझे ऐसी ही फिल्में करनी हैं, जहां शुरुआत से अंत तक कहानी और किरदार की जर्नी साफ हो। वहीं से मेरी असली जर्नी शुरू हुई, जहां मैं सिर्फफिल्में नहीं कर रही थी, बल्कि किरदारों को सच में जीने लगी थी। श्अय्याश् फिल्म दिल बहुत करीब थी, लेकिन वक्त से पहले आ गईश् एक फिल्म है जिससे मुझे बहुत उम्मीदें थीं और जो मेरे दिल के बेहद करीब है। वो है श्अय्याश। यह एक बहुत प्यारी फिल्म थी। मुझे लगता है कि अगर आज की ऑडियंस के सामने वो फिल्म आए, तो लोग उसे ज्यादा खुले दिल से स्वीकार करेंगे। सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें। विजडम बेल बटन होना चाहिए यह मेरा सुझाव है। (हंसते हुए) सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं। बेटी को सोशल मीडिया से दूर रखा है रानी मुखर्जी से जब उनकी बेटी अदिरा के सोशल मीडिया पर होने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने साफ कहा कि बेटी अभी बहुत छोटी है। रानी की बेटी सोशल मीडिया पर नहीं है।

फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली फिल्म 'डॉन-3' एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में शाहरुख खान की वापसी हो सकती है। बताया जा रहा है कि फरहान अख्तर और किंग खान के बीच फिल्म को लेकर दोबारा बातचीत शुरू हो चुकी है। टेली चक्कर की रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख खान ने फिल्म में लौटने के संकेत तो दिए हैं, लेकिन एक खास शर्त के साथ। एक्टर चाहते हैं कि 'डॉन-3' का निर्देशन साउथ के चर्चित डायरेक्टर एटली करें। शाहरुख ने फरहान के सामने यह प्रस्ताव रखा है कि अगर एटली इस प्रोजेक्ट से जुड़ते हैं, तो वह फिल्म में वापसी पर विचार कर सकते हैं। बता दें कि शाहरुख औ एटली जवान में साथ काम कर चुके हैं। एटली के निर्देशन में शाहरुख की ये फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। गौरतलब है कि फरहान अख्तर पिछले तीन सालों से डॉन फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म पर काम कर रहे हैं, लेकिन कास्टिंग को लेकर यह प्रोजेक्ट लगातार अटका हुआ है। शुरुआत में फिल्म के लिए रणवीर सिंह को कास्ट किया गया था, लेकिन 'धुरंधर' की सफलता के बाद उन्होंने खुद को फिल्म से अलग कर लिया। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि रणवीर को उनकी कथित अनुचित मांगों की वजह से फिल्म से हटाया गया।

सुनीता आहूजा और गोविंदा का रिश्ता पिछले एक साल से सुर्खियों में है. उनके तलाक की खबरों के बाद, गोविंदा के किसी और महिला के साथ अफेयर की खबरें भी खूब फैलीं. हालांकि सुनीता ने तलाक की खबरों का खंडन किया है, लेकिन उन्होंने एक्टर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के रूमर्स पर कई बार बात की है. इन सबके बीच अब एक नए इंटरव्यू में सुनीता ने फिर से अपने पति और अभिनेता गोविंदा पर निशाना साधा है. वहीं उन्होंने ये भी कहा है कि गोविंदा ने अपने बेटे हर्षवर्धन आहूजा की कोई मदद नहीं की. गोविंदा के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर क्या बोलीं सुनीता? मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में गोविंदा के अफेयर की ओर इशारा करते हुए कहा, श्ऐसी लड़कियाँ बहुत आती हैं.श हालांकि इंटरव्यू अभी रिलीज नहीं हुआ है, लेकिन मिस मालिनी के पॉडकास्ट से जारी प्रोमो के में सुनीता ने गोविंदा के कथित अफेयर पर फिर से बात की है. इस दौरान उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है, श्मैं गोविंदा को माफ नहीं करूंगी. सतर्क हो जा बेटा, अभी भी.श सुनीता आहूजा कहती हैं,''ऐसी लड़कियां बहुत आती हैं, लेकिन तुम थोड़े बेवकूफ हो. तुम 63 के हो गए हो. तुम्हें टीना की शादी करनी होगी, यश का करियर है.'' 'तू कैसा बाप है', बेटे की कोई मदद न करने पर सुनीता आहूजा ने गोविंदा पर कसा तंज, बोलीं- 'मैं कभी माफ नहीं करूंगी गोविंदा ने नहीं की बेटे की कोई मदद बेटे यश के करियर में गोविंदा के मदद न करने के बारे में बोलते हुए, सुनीता ने कहा, ''गोविंदा के बेटे होने के नाते, उन्होंने उनसे यह नहीं कहा, 'आप मेरी मदद करो.' गोविंदा ने भी उसकी कोई मदद नहीं की. मैंने गोविंदा को उसके मुंह पर बोला, 'तू बाप है क्या है कि क्या है बे?'' 'तू कैसा बाप है', बेटे की कोई मदद न करने पर सुनीता आहूजा ने गोविंदा पर कसा तंज, बोलीं- 'मैं कभी माफ नहीं करूंगी जब सुनीता ने तलाक की अफवाहों को किया था खारिज 2025 के गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान, सुनीता ने मीडिया से बातचीत की और तलाक की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा था, ''आज मीडिया के मुंह पर थप्पड़ नहीं पड़ी क्या? हमको साथ में देख कर... इतना करीब... अगर कुछ होता तो इतना नजदीक होते? ऊपर से कोई भी आ जाए... मेरा गोविंदा सिर्फ मेरा ही है और किसी का नहीं है.'' गोविंदा-सुनीता ने 1987 में की थी शादी गोविंदा और सुनीता ने 1987 में शादी की थी और 1989 में अपनी बेटी टीना के जन्म तक इसे छिपा कर रखा था और दशकों से एक मजबूत रिश्ता बनाए रखा, लेकिन अफवाहें थमने को तैयार नहीं हैं. गोविंदा और सुनीता आहूजा दशकों से बॉलीवुड की सबसे फेमस कपल में से एक रहे हैं, लेकिन हाल ही में उनकी शादी को लेकर चल रही चर्चाओं ने उन्हें पहले से कहीं ज्यादा सुर्खियों में ला दिया है.

सुपर सिक्स मैच में भारत ने जिम्बाब्वे को 204 रन से रौंदा

विहान मल्होत्रा की नाबाद शतकीय पारी और अभिज्ञान कुंडू (61) के साथ पांचवें विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी से भारत ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स चरण के अपने पहले मुकाबले में मंगलवार को यहां जिम्बाब्वे पर 204 रन की बड़ी जीत दर्ज की। ग्रुप चरण में अमेरिका, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड को एकतरफा अंदाज में हराने वाली भारतीय टीम ने शानदार लय जारी रखते हुए आठ विकेट पर 352 रन का विशाल स्कोर बनाने के बाद जिम्बाब्वे की पारी को 37.4 ओवर में 148 रन पर समेट दिया। भारतीय टीम के सामने अब एक फरवरी को पाकिस्तान की चुनौती होगी। मल्होत्रा ने 107 गेंद की नाबाद पारी में सात चौके की मदद से 109 रन बनाये जबकि कुंडू ने 61 गेंद में पांच चौके और एक छक्का की मदद से 61 रन बनाये। पारी की शुरुआत में वैभव सूर्यवंशी ने 30 गेंद में 52 जबकि आखिरी ओवरों में खालिन पटेल ने 12 गेंद में 30 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी भारतीय तेज गेंदबाजों के आगे ढेर हो गई। आरएस अम्बरीष (19 रन पर दो विकेट) और हेनील पटेल (25 रन पर एक विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने टीम ने नौवें ओवर में 24 रन तक तीन विकेट गंवा दिये। कप्तान आयुष म्हात्रे ने अपनी ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी से 14 रन देकर तीन विकेट लिये। उन्होंने पुछल्ले बल्लेबाजों को चलता किया जबकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज उधव मोहन ने मध्यक्रम को झकझोरते हुए तीन विकेट लिए। इस जीत के साथ भारत सुपर सिक्स ग्रुप दो में छह अंकों के साथ शीर्ष पर है। टीम का अगला मुकाबला पाकिस्तान से एक फरवरी को होगा। सूर्यवंशी ने एक बार फिर भारत को तेज शुरुआत दिलाई और उनकी तथा आरोन जॉर्ज (23) की जोड़ी ने महज 25 गेंद में 40 रन की साझेदारी कर दी। भारत ने अपने पहले 100 रन सिर्फ62 गेंदों में पूरे किए, जिसमें वैभव सूर्यवंशी ने 30 गेंदों की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाये। पारी के 11वें ओवर में भारत ने म्हात्रे (21) और सूर्यवंशी का विकेट गंवा दिया जिससे स्कोर तीन विकेट 103 रन हो गया।वेदांत त्रिवेदी (15) के आउट होने से 130 रन पर चौथा विकेट गिरने क बाद टीम मुश्किल में थी। मल्होत्रा और कुंडू ने इसके बाद तेजी से रन बनाते हुए गेंदबाजों को परेशान किया। मल्होत्रा ने 104 गेंदों में शतक पूरा किया। उन्होंने इस दौरान अम्बरीष (21) ने सातवें विकेट के लिए 52 रन जोड़े और फिर आठवें विकेट के लिए खिलान के साथ मिलकर 47 रन की साझेदारी कर भारत को 350 रन के पार पहुंचाया। जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी में कियन ब्लिगनॉट (37) और लीरॉय चिवाउला (62) ने संघर्ष दिखाया, लेकिन रन गति बढ़ाने में असफल रहे। टीम ने 100 रन तक पहुंचने में 28 ओवर लिए और अंततः 148 रन पर ही आउट हो गई।

न्यूजीलैंड टीम में बड़ा फेरबदल!

भारत के खिलाफखेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के निर्णायक मोड़ पर न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने अपने स्क्वाड में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। सीरीज के चौथे और पांचवें मुकाबले से पहले कीवी टीम ने दो युवा खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है, वहीं एक विस्फोटक बल्लेबाज की टीम में एंट्री होने जा रही है। वीकेंड पर ।20 और बिग बैश लीग खत्म होने के साथ ही, उनके सभी खिलाड़ी अब सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए उपलब्ध हैं। हालांकि, सिर्फफिन एलन ही गुरुवार को सीरीज के पांचवें और आखिरी ज्20प् के लिए टीम में शामिल होंगे। टिम सीफर्ट पहले ज्20प् के बाद टीम में शामिल हुए, जबकि जिमी नीशम और लॉकी फर्ग्यूसन बुधवार (28 जनवरी) को विशाखापत्तनम में खेले जाने वाले चौथे ज्20प् से पहले आ गए हैं। कीवी टीम पहले ही सीरीज में 0-3 से पीछे है और पांच मैचों की सीरीज हार चुकी है, लेकिन 7 फरवरी से शुरू होने वाले ज्20 वर्ल्ड कप से पहले अपने स्किल्स को बेहतर बनाने पर ध्यान देगी। क्यों हुए ये बदलाव? हाल ही में दक्षिण अफ्रीका की ।20 और ऑस्ट्रेलिया की ठपह ठी स्मंहनम (ठठस) का समापन हुआ है। इन लीग्स में खेल रहे न्यूजीलैंड के अनुभवी खिलाड़ी अब फ्री हो चुके हैं और राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध हैं। टीम प्रबंधन ने अनुभवी खिलाड़ियों को मौका देने के उद्देश्य से क्लार्क और रॉबिन्सन को बाहर करने का फैसला किया है। फिन एलन की होगी शधमाकेदारश् एंट्री कीवी टीम के लिए सबसे बड़ी राहत की खबर उनके स्टार सलामी बल्लेबाज फिन एलन (थददद ।ससमद) की वापसी है। एलन गुरुवार को टीम के साथ जुड़ेंगे। वह सीरीज के पांचवें और अंतिम टी20 मैच के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

संजू जल्द फॉर्म में वापसी करेंगे

गेंदबाजी कोच मोर्कल का सैमसन को समर्थन, चिंताओं को किया खारिज

विशाखापत्तनम। भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन का समर्थन किया है। मोर्कल का कहना है कि सैमसन लय में आने से सिर्फ एक पारी दूर हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन खराब फॉर्म में चल रहे हैं, लेकिन गेंदबाज कोच मोर्ने मोर्कल इससे चिंतित नहीं हैं। मोर्कल को भरोसा है कि सैमसन जल्द फॉर्म में वापसी करेंगे। सैमसन की खराब लय ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है क्योंकि अगले सप्ताह से टी20 विश्व कप की शुरुआत हो रही है। हालांकि, मोर्कल का मानना है कि सैमसन फॉर्म में आने से एक पारी दूर हैं। सैमसन को जल्द दिखाना होगा दम सैमसन के पास अब खुद को साबित करने के लिए ज्यादा

समय शेष नहीं रह गया है। अगर सैमसन न्यूजीलैंड के खिलाफ शेष दो मैचों में बड़ी पारी नहीं खेल पाते हैं तो विश्व कप में उनकी जगह ईशान किशन शीर्ष क्रम पर उतर सकते हैं। तिलक वर्मा के अनुपस्थित रहने का फायदा भी सैमसन को मिल रहा है क्योंकि तिलक की जगह तीसरे नंबर पर ईशान उतर रहे हैं। ऐसे में ओपनर के तौर पर सैमसन अभिषेक शर्मा के जोड़ीदार के रूप में उतर रहे हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार तीन मैचों में सस्ते में आउट होने के बाद टीम प्रबंधन सैमसन पर भरोसा जताता है या नहीं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच की पूर्व संध्या पर मोर्कल ने कहा, संजू बस एक पारी दूर हैं जिससे उन्हें आत्मविश्वास मिलेगा और उनका फॉर्म में वापसी हो जाएगी। हमारे लिए विश्व कप की तैयारी के लिहाज से यह जरूरी है कि खिलाड़ी सही समय पर अपनी फॉर्म हासिल करें। वह अच्छी तरह अभ्यास कर रहे हैं और गेंद को बहुत अच्छे से मार रहे हैं। नेट्स पर गंभीर और कोटक से की चर्चा केरल के इस बल्लेबाज ने नेट्स के किनारे मुख्य कोच गौतम गंभीर और बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक के साथ लंबी बातचीत की, जबकि श्रेयस अय्यर अपना अभ्यास जारी रखे हुए थे। दोनों कोच सैमसन को कुछ बातें समझाते दिख रहे थे। वहीं मोर्कल उनकी फॉर्म को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं दिखे और उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन से ज्यादा टीम की जीत मायने रखती है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि उसके लिए बस समय की बात है कि वह स्कोरबोर्ड पर अपना खाता खोल ले। लेकिन मुख्य बात यह है कि टीम जीत रही है और यही सबसे जरूरी है। इस समय हम इस सीरीज में 3-0 से आगे हैं और लड़के बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। विश्व कप शुरू होने से पहले हमारे पास अभी कुछ मैच और हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि संजू अपनी फॉर्म हासिल कर लेंगे।

अब तो भारत के खिलाफमैच का बहिष्कार करना भी पाकिस्तान को पड़ेगा भारी! 348 करोड़ रुपये दांव पर?

दुबई। पाकिस्तान में ज्20 वर्ल्ड कप और भारत मैच बहिष्कार को लेकर चर्चाएं गर्म हैं, लेकिन प्ब्ब् समझौते और प्रसारकों के आर्थिक हितों के चलते च्ब्ठ पर लगभग 38 मिलियन डॉलर का कानूनी खतरा मंडरा रहा है। नकवी की पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से चर्चा तो हुई, पर अंतिम फैसला अभी बाकी है। आर्थिक और कानूनी जोखिमों को देखते हुए बहिष्कार की संभावना न के बराबर दिखती है। टी20 विश्व कप से पहले चल रहे बवाल ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। पहले बांग्लादेश भारत में मैच नहीं खेलने की जिद्द पर अड़ा रहे और फिर उसे आईसीसी ने टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इसके बाद अब पाकिस्तान का ड्रामा चालू हो गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (च्ब्ठ) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की, जिससे कयास लगाए जाने लगे कि पाकिस्तान या तो टूर्नामेंट का बहिष्कार करेगा या भारत

के खिलाफ मैच नहीं खेलेगा, लेकिन इस चर्चा के गंभीर कानूनी और आर्थिक नतीजे सामने आए हैं। प्ब्ब् नियमों और कानूनी बाध्यता दरअसल, टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर पाकिस्तान में चल रही राजनीति और कूटनीति ने क्रिकेट के मैदान से बाहर भी हलचल बढ़ा दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अन्य क्रिकेट बोर्ड्स की तरह आईसीसी मेंबर पार्टिसिपेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हुए हैं, जो कानूनी रूप से बाध्यकारी है। इसका मतलब है कि टूर्नामेंट या किसी मैच का बहिष्कार सीधे आईसीसी के नियमों का उल्लंघन होगा। इससे न सिर्फ पीसीबी पर कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं, बल्कि प्रसारकों द्वारा भी मुकदमे दायर होने की पूरी संभावना है। भारत-पाकिस्तान मैच के आर्थिक मायने भारत और पाकिस्तान का मैच विश्व क्रिकेट का सबसे अधिक देखा जाने वाला इवेंट माना जाता है। रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ इस मैच से जुड़े लगभग 38 मिलियन यूएस डॉलर (करीब 348 करोड़ रुपये) की कमाई विज्ञापन, ब्रांडेड प्रोग्रामिंग और स्पॉन्सरशिप से जुड़ी होती है। यदि पाकिस्तान यह मैच छोड़ता है तो प्रसारक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर हर्जाने का मुकदमा दायर कर सकते हैं। इससे बोर्ड को आर्थिक बर्बादी का खतरा झेलना पड़ सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्लगभग 38 मिलियन डॉलर यानी 348 करोड़ रुपये सीधे इस मैच पर निर्भर हैं।श् प्रधानमंत्री से मुलाकात और बयान पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने सोमवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। बैठक में स्थिति पर चर्चा हुई, लेकिन अंतिम निर्णय अभी लंबित है। नकवी ने सोशल मीडिया पर लिखा, श्प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ अच्छी बैठक हुई। आईसीसी मामले पर उन्हें जानकारी दी। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विकल्प खुले रखते हुए समाधान निकाला जाए। अंतिम निर्णय या तो शुक्रवार को या अगले सोमवार को लिया जाएगा।

पीसीबी को उसके ही पूर्व अधिकारियों ने दिखाया आइना, विश्व कप का बहिष्कार करने की बात पर चेताया

कराची। पाकिस्तान ने विश्व कप के लिए टीम भेजने को लेकर लगातार संशय बनाए रखा है। इस बीच, टीम के पूर्व खिलाड़ियों और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अधिकारियों ने बोर्ड को सलाह दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा आगामी टी20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर फैसला टालने के बाद पूर्व खिलाड़ियों और बोर्ड के पूर्व अधिकारियों ने एक सुर में कहा है कि बांग्लादेश का समर्थन करना ठीक है, लेकिन यह राष्ट्रीय क्रिकेट की कीमत पर नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान बेवजह बांग्लादेश मामले पर कूदा था और उसने आईसीसी को भी निशाने पर लिया था। बांग्लादेश विवाद पर बेवजह बीच में कूदा पाकिस्तान इतना ही नहीं पाकिस्तान ने अप्रत्यक्ष तौर पर विश्व कप का बहिष्कार करने की धमकी भी दी थी। हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की थी। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान मोहम्मद हफीज का मानना है कि पीसीबी को पाकिस्तान टीम को विश्व कप में भेजना चाहिए, जबकि पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष खालिद महमूद और पूर्व सचिव आरिफ अली अब्बासी को टीम को नहीं भेजने में कोई तर्क नजर नहीं आता। पूर्व अधिकारी विश्व कप खेलने के पक्ष में अब्बासी ने कहा, मैं समझ सकता हूं कि पाकिस्तान बांग्लादेश का समर्थन कर रहा है लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और सदस्य बोर्डों के साथ संबंध खराब करने के अलावा पीसीबी टीम को नहीं भेजकर क्या हासिल करेगा? श्रीलंका के साथ हमारे संबंधों का क्या होगा? जाहिर है कि अगर पाकिस्तान नहीं जाता है तो श्रीलंका को नुकसान होगा क्योंकि भारत के खिलाफ मुकाबलों सहित हमारे सभी मैच श्रीलंका में होने हैं। महमूद ने कहा कि पीसीबी का रुख सराहनीय है, लेकिन उसे समझदारी दिखाकर पाकिस्तान क्रिकेट के हितों को केंद्र में रखना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें यह याद रखना होगा कि पाकिस्तान के अलावा किसी भी अन्य क्रिकेट बोर्ड ने भारत से मैच हटाने की बांग्लादेश की मांग का समर्थन नहीं किया।

अर्थ जगत

नई ऊंचाई पर पहुंचे सोना-चांदी के भाव, जानें सर्राफा बाजार में आज का अपडेट

नई दिल्ली। सोना और चांदी दोनों के दाम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ गए हैं। इसकी वजह दुनिया भर में चल रहा तनाव, व्यापार विवाद और लोगों का सुरक्षित निवेश की तरफ रुख करना है। भारत में सोना करीब घ्1.62 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी घ्3.77 लाख प्रति किलो तक पहुंच गई है। सोने और चांदी की कीमतों ने बुधवार को नया रिकॉर्ड बनाया। वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विवाद और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते दोनों कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। खास बात यह रही कि चांदी ने लगातार एक और सत्र में सोने से बेहतर प्रदर्शन किया। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में टैरिफ से जुड़े मामले की सुनवाई और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आगामी ब्याज दर फैसले को लेकर बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है। इसी कारण निवेशक सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोने और चांदी की कीमतों को समर्थन मिल रहा है। विश्लेषकों ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा कि इस सप्ताह कीमती धातुओं की कीमतें मजबूत बनी रह सकती हैं। भारत में सोना-चांदी के ताजा भाव घरेलू बाजार में नया रिकॉर्ड बनाते हुए आज सोने की कीमत घ्1,62,429 प्रति 10 ग्राम, जबकि चांदी का भाव घ्3,77,655 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।वहीं इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (प्ठश्र।) के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को 99.9ः शुद्धता वाला सोनारू घ्1,59,027 प्रति 10 ग्राम पर रहा। 99.5ः शुद्धता वाला सोनारू घ्1,58,390 प्रति 10 ग्राम पर रहा। चांदीरू घ्3,42,507 प्रति किलोग्राम पर रही। प्रमुख शहरों में सोने के भाव देश के प्रमुख महानगरों में 24 कैरेट सोने की कीमतें इस प्रकार रहीं- मुंबईरू घ्1,58,170 प्रति 10 ग्राम कोलकातारू घ्1,57,960 प्रति 10 ग्राम दिल्लीरू घ्1,57,900 प्रति 10 ग्राम चेन्नईरू घ्1,58,630 प्रति 10 ग्राम हैदराबादरू घ्1,58,420 प्रति 10 ग्राम बंगलूरूरू घ्1,58,300 प्रति 10 ग्राम दक्षिण भारत के बाजारों में सोने की कीमतें देश के अन्य हिस्सों की तुलना में अधिक बनी हुई हैं। प्रमुख शहरों में चांदी के भाव औद्योगिक मांग में बढ़ोतरी, खासकर ।प् डेटा सेंटर और सौर ऊर्जा क्षेत्र में उपयोग, तथा सीमित आपूर्ति के कारण चांदी की कीमतों में तेजी जारी है। मुंबईरू घ्3,56,140 प्रति किलोग्राम दिल्लीरू घ्3,55,530 प्रति किलोग्राम चेन्नईरू घ्3,57,180 प्रति किलोग्राम हैदराबादरू घ्3,56,710 प्रति किलोग्राम बंगलूरूरू घ्3,56,430 प्रति किलोग्राम कोलकातारू घ्3,55,670 प्रति किलोग्राम अंतरराष्ट्रीय बाजार में रिकॉर्ड तेजी वैश्विक बाजार में सोने की कीमत 5,200 प्रति औंस के पार पहुंच गई है।

हरे निशान पर खुला भारतीय बाजार, सेंसेक्स 647 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ खुला। वहीं पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 319.78 अंक उछलकर 81,857.48 अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 126.75 अंक की बढ़त के साथ 25,175.40 पर बंद हुआ था। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के चलते बुधवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी आई और पिछले दिन की तेजी जारी रही। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 646.49 अंक बढ़कर 82,503.97 पर पहुंच गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 196.7 अंक बढ़कर 25,372.10 पर पहुंच गया। डॉलर सूचकांक में गिरावट और भारत-यूरोपीय संघ के ऐतिहासिक व्यापार समझौते के चलते बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 11 पैसे बढ़कर 91.57 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, आईसीआईसीआई बैंक और बजाज फाइनेंस प्रमुख लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। अन्य पिछड़ने वालों में मारुति, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शामिल थे। एशियन पेंट्स के शेयरों में आई छह प्रतिशत की गिरावट एशियन पेंट्स के शेयरों में लगभग 6 प्रतिशत की गिरावट आई, क्योंकि कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की दिसंबर तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल आधार पर 4.83 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की, जो कि 1,073.92 करोड़ रुपये रहा। यह गिरावट नए श्रम संहिता के कार्यान्वयन और एक सहायक कंपनी में हुए नुकसान के मूल्यह्रास जैसी असाधारण मदों के कारण हुई। भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ पूरा भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसे ष्सभी समझौतों की जननीष् कहा जा रहा है।

इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार और रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा का अनावरण किया। अधिकारियों के अनुसार, मुक्त व्यापार समझौता, जो वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से के लिए जिम्मेदार होगा, यूरोपीय संघ को होने वाले भारतीय निर्यात के 99 प्रतिशत पर टैरिफ कम करेगा और यूरोपीय संघ से भारत को होने वाले निर्यात के 97 प्रतिशत से अधिक पर शुल्क में कटौती करेगा। विदेशी निवेशकों ने बिकवाली रखी जारी जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि वित्तीय और आर्थिक रूप से सक्षम (एफआईआई) निवेशकों ने नकदी बाजार में 3,068 करोड़ रुपये की बिकवाली जारी रखी। वहीं, वित्तीय रूप से मजबूत शेयरों की खरीददारी करने वाले (डीआई) निवेशकों ने आक्रामक रूप से 8,999 करोड़ रुपये खर्च किए।

मजदूर एकता जिन्दाबाद
बाबा महेन्द्र सिंह टिकैत अमर रहें।
पंजी सं0-10417
बाबा भीमराव अम्बेडकर अमर रहें।।
जय जवान-जय किसान
चौधरी चरण सिंह अमर रहें।।।

भारतीय मजदूर किसान संगठन (राष्ट्रवादी)

मा0 सुरेन्द्र शर्मा
''संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष''

मा0 हिमांशू त्रिपाठी
''राष्ट्रीय उपाध्यक्ष''

हमारा संगठन आप सभी लोगों का हार्दिक स्वागत करता है।

विजय लक्ष्मी शर्मा
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्री यज कुमार भारती
राष्ट्रीय महा सचिव

श्री ओम प्रकाश
राष्ट्रीय महामंत्री

श्री नसीब अली
वरिष्ठ उपाध्यक्ष

श्री राकेश डेविड
राष्ट्रीय सचिव

राष्ट्रीय मुख्यालय : 1372/12, न्यू गुड़ौरा, बेहसा, शहीदपथ, कानपुर रोड, लखनऊ - 226002

बैंकिंग हड़ताल से 4 लाख करोड़ रुपये के चेक क्लियरेंस में अटकेप, मैरिको को 460 करोड़ रुपये का फायदा

नई दिल्ली। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) की हड़ताल के चलते देशभर में कई जगहों पर जमा और निकासी जैसी शाखा बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहीं। साथ ही, 4 लाख करोड़ रुपये के चेक क्लियरेंस में अटक गए। यूनियन की मांग सप्ताह में पांच कार्य दिवस को लागू करने की है। नौ यूनियनों के समूह यूएफबीयू की ओर से आयोजित यह हड़ताल 23 जनवरी को मुख्य श्रम आयुक्त के साथ हुई बैठक के विफल होने के बाद हुई। यूएफबीयू की हड़ताल में सरकारी बैंकों की विभिन्न यूनियनों के 8 लाख कर्मचारियों ने भाग लिया। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉई एसोसिएशन के महासचिव सी एच वेंकटचलम ने बताया, नकद लेनदेन प्रभावित हुए और बिल ट्रेडिंग, बिल डिस्काउंटिंग और ट्रेडिंग पर असर पड़ा। सरकारी बैंकों में कई जगहों पर ट्रेजरी संचालन भी बंद रहा। ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कन्फेडरेशन के महासचिव रूपम रॉय ने बताया, दिसंबर, 2023 में हुई चर्चाओं के बाद यह सहमति बनी थी कि सोमवार से शुक्रवार तक दैनिक कार्य समय में 40 मिनट की वृद्धि की जाएगी। शेष शनिवार को अवकाश घोषित किया जाएगा। एशियन पेंट्स का लाभ घटकर 1,128 करोड़ नए श्रम संहिता के लागू होने के चलते एशियन पेंट्स का मुनाफा दिसंबर तिमाही में 4 फीसदी घटकर 1,073.92 करोड़ रुपये रह गया है। राजस्व 3.71 फीसदी बढ़कर 8,867 करोड़ रुपये हो गया। 157.61 करोड़ ग्रेच्युटी में वृद्धि के लिए और 63.74 करोड़ के एकमुश्त खर्च व 93.87 करोड़ के व्हाइट टीक के अधिग्रहण जैसे खर्चों से लाभ में कमी आई। टाटा कंज्यूमर का फायदा 36 फीसदी बढ़ा टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को तीसरी तिमाही में 384.52 करोड़ का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 36.4 फीसदी अधिक है। राजस्व 15 फीसदी बढ़कर 5,112 करोड़ हो गया। खर्च 4,582.24 करोड़ रहा, जो 12.11 फीसदी अधिक है। अन्य आय सहित टाटा कंज्यूमर की आय 14 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 5,145.01 करोड़ रही। मैरिको को 460 करोड़ रुपये का फायदा मैरिको लि. को दिसंबर तिमाही में 460 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में यह 13.3 फीसदी अधिक है। राजस्व 26.6 फीसदी बढ़कर 3,537 करोड़ रुपये हो गया। खर्च 29.8 फीसदी बढ़कर 3,009 करोड़ हो गया। ऊर्जा क्षेत्र में भारत को सालाना 145 अरब डॉलर निवेश जुटाने की जरूरत सतत आर्थिक विकास और शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों के बीच के अंतर को पाटने के लिए भारत को ऊर्जा क्षेत्र में 145 अरब डॉलर का वार्षिक निवेश जुटाने की जरूरत होगी। वुड मैकेन्जी के एशिया प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष जोशुआ नु ने इंडिया एनर्जी वीक में कहा, भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए पूंजी का उपयोग रणनीतिक रूप से बिजली उत्पादन, ऊर्जा भंडारण और ग्रिड के तत्काल आधुनिकीकरण पर केंद्रित होना चाहिए। जोशुआ नु ने कहा, भारत का अगला दशक निर्णायक है। भारत को तात्कालिक ऊर्जा सुरक्षा के जोखिम को कम करना होगा। साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए जरूरी कम कार्बन उत्सर्जन वाली संरचना का निर्माण करना होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न0 UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।